www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 36 || लखनऊ
बुधवार
06 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
>> डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:25
सूर्यास्तः 06:42
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 22°00

>> पेज 03

विशेष समाचार >> पेज 02 | लूटपाट करने वाले किन्नर गिरोह... >> पेज 04 | मिसाइल अटैक से दुबई में फंसीं अमीषा...

चुनाव आयोग विलेन, भाजपा से मिलकर 100 सीटें लूटीं, मैं आजाद पंछी, शेर की तरह लड़ूंगी

इस्तीफा नहीं दूंगी, हम हारे नहीं, हराया गया : ममता

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी/चेन्नई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- मैं CM पद से इस्तीफा नहीं दूंगी। हम जनादेश से नहीं, साजिश से हारे हैं। इसलिए इस्तीफा देने राजभवन नहीं जाऊंगी। ममता ने आगे कहा- चुनाव आयोग असली विलेन है। उसने भाजपा के साथ मिलकर 100 सीटें लूटीं। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, मैं आजाद पंछी हूं।

>> (शेष पेज 04 पर)

66 ममता ने कहा- चुनाव से दो दिन के पहले भाजपा ने बंगाल में लोगों की गिरफ्तारियां शुरू करवा दीं। भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर ये पूरा गेम खेल रही थी। पीएम मोदी और अमित शाह ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर 93 लाख लोगों के नाम एसआईआर से काट दिए। ममता ने कहा- मैंने अपने जीवन में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा। मैं 2004 में अकेली थी, लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा।

- 293 में से 207 सीटें जीतीं बीजेपी ने बंगाल में
- 80 सीटों पर जीत मिली टीएमसी को केवल

15 साल बाद बंगाल की सत्ता से बाहर हुईं ममता बनर्जी

9 मई को भाजपा पहली बार पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी

छोटे उद्योगों को 100 करोड़ तक का बिना गारंटी लोन

इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम एक साल के लिए बढ़ी

- केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी दी।

जेट फ्यूल महंगा होने के कारण ऑपरेशन कॉस्ट 20% तक बढ़ से फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफएआई) ने सरकार को लेटर लिखकर राहत की मांग की थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ECLGS) 5.0 को मंजूरी दे दी है। इसके जरिए छोटे उद्योग (MSMEs) 100 करोड़ तक और एयरलाइन कंपनी 1500 करोड़ रुपए तक का लोन ले सकेंगी। यह लोन बिना किसी गारंटी के मिलेगा। इसके लिए सरकार नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी

लिमिटेड (NCGTC) इस स्कीम के तहत बैंकों और वित्तीय संस्थानों को 100% तक की क्रेडिट गारंटी कवर देगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को मीटिंग के बाद बताया कि यह फैसला अमेरिका-ईरान के बीच चल रही जंग के कारण आए वित्तीय संकट से निपटने के लिए लिया गया है। इससे कंपनियों को बिजनेस को चालू रखने, नौकरियां बचाने और सप्लाई चेन मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

समिक भट्टाचार्य बोले- हमारा मकसद सिर्फ सरकार बदलना नहीं

बंगाल BJP के स्टेट प्रेसिडेंट समिक भट्टाचार्य ने कहा- हमारा मकसद सिर्फ एक सरकार या एक चीफ मिनिस्टर को बदलना नहीं था। हम इस पॉलिटिकल सोसाइटी को बदलना चाहते हैं, जो सोशली बहुत दबी हुई है। हमें सोशल प्लूरलिज्म वापस लाना है। यह डबल इंजन वाली सरकार है। हमने मैनिफेस्टो में जो कुछ भी शामिल किया, उस पर पहले हमने आपस में चर्चा की। सेंटर से लेकर स्टेट तक सबने हिस्सा लिया। प्राइम मिनिस्टर ने भी इसे देखा, होम मिनिस्टर ने भी इसे देखा और होम मिनिस्टर ने रेजोल्यूशन लेटर अनाउंस किया। हमने जो कमिटमेंट किया था, उसकी गारंटी है कि वह होगा।

"ममता ने कहा- हमें सोमवार को काउंटिंग रूम में नहीं जाने दिया गया। उन्होंने हमारे लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को मारना शुरू कर दिया। 200 सीआरपीएफ और बाहर के गुंडों ने मारपीट की। जब मैं वहां पहुंचीं तो मेरी गाड़ी रोकी गई। डीईओ रणधीर ने पहले ही बता दिया था कि काउंटिंग में खेल होगा। उन्होंने हमारे एजेंट्स को काउंटिंग रूम के अंदर नहीं जाने दिया।

सुवेंदु अधिकारी ने दिया जवाब

बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी से जब ममता बनर्जी के इस्तीफा न देने वाले बयान के बारे में पूछा गया, तब सुवेंदु ने कहा, 'संविधान में सब कुछ लिखा हुआ है, इस बारे में और कुछ कहने की जरूरत नहीं है।' बता दें कि ममता बनर्जी और सुवेंदु अधिकारी दोनों ही इस बार के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर सीट से आमने सामने थे। आए विधानसभा नतीजों में सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से हरा दिया।

कोलकाता के राजारहाट न्यूटाउन में वोटों की दोबारा गिनती, रिजल्ट पेंडिंग

कोलकाता स्थित राजारहाट न्यूटाउन विधानसभा सीट पर मतों की दोबारा गिनती जारी है, जिसके चलते रिजल्ट अभी घोषित नहीं किया गया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि दोबारा गिनती पूरी होने के बाद ही अंतिम परिणाम घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद ही गजट तैयार कर राज्यपाल को भेजा जाएगा। फिलहाल इस सीट के नतीजों पर सबकी नजर टिकी हुई है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा बिस्वास के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। यह

देश की 78% आबादी और 72% भूभाग पर अब भाजपा+ का राज

गंगासागर से कन्याकुमारी तक पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने भाजपा विरोधी राजनीति के बड़े 'पॉवर सेंटर्स' को बड़ा झटका दिया है। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन भाजपा को चुनौती देने वाले प्रमुख चेहरे थे। बंगाल (42) और तमिलनाडु (39) लोकसभा की 81 सीटें तय करते हैं। इनके ढहने से इंडिया गठबंधन पिछड़ गया। केरल में कांग्रेस की जीत उसे राहत देती है, लेकिन यह बढ़त विपक्ष में नई खींचतान शुरू करेगी। अब विपक्ष की लड़ाई सत्ता की नहीं, प्रासंगिकता बचाने की हो गई है।

ममता बोलीं- चुनाव आयोग के खिलाफ कदम उठाएंगे, 5 बड़ी बातें...

- मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं। मेरे इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। इसलिए राजभवन नहीं जाऊंगी। वे ऑफिशियली हमें हरा सकते हैं, लेकिन नैतिक रूप से हम चुनाव जीते हैं।
- चुनाव से दो दिन पहले हमारे लोगों को गिरफ्तार किया गया। जगह-जगह छापे मारे गए। IPS-IAS अधिकारियों का तबादला किया गया। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं।
- मैंने राजीव गांधी, मनमोहन सिंह, वाजपेयी सहित कई सरकारें देखीं, लेकिन ऐसा अत्याचार कभी नहीं देखा। अत्याचार की कोई सीमा नहीं रही। यहां लोगों को प्रताड़ित किया गया।
- पहले राउंड की काउंटिंग के बाद ही वे कहने लगे कि भाजपा 195-200 सीटें जीत रही है। अंतिम नतीजे का इंतजार नहीं किया। BJP वालों ने पोलिंग स्टेशन के अंदर घुसकर लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को पीटना शुरू कर दिया।
- हम चुनाव आयोग के खिलाफ कदम उठाएंगे। क्या करेंगे, यह अभी नहीं बताएंगे। दूसरी बात, हमने फैसला किया है कि 5 सांसदों समेत 10 लोगों की एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई जाएगी।

अच्छी सरकार ही लाती है अच्छा परिणाम : योगी

जनता ने पश्चिम बंगाल से किया टीएमसी का सूपड़ा साफ

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम के लिए वहां की जनता का अभिनंदन करते हुए इस परिणाम को जन उपेक्षा करने वाले राजनीतिक दलों के लिए बड़ा सबक बताया है। उन्होंने कहा कि जो भी जनता की उपेक्षा करेगा, विकास के पैसे पर डकैती करेगा, गुंडों को प्रश्रय देगा और सनातन का अपमान करेगा, उसका सूपड़ा साफ होना तय है। पश्चिम बंगाल की जनता ने ऐसा करके दिखा भी दिया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

कांग्रेस, सपा और बसपा की सरकारों के भ्रष्टाचार का स्मारक बना था बंद खाद कारखाना

सीएम योगी ने लोगों को याद दिलाया कि डबल इंजन सरकार के आने से पहले गोरखपुर का बंद खाद कारखाना कांग्रेस, सपा और बसपा की सरकारों के भ्रष्टाचार का स्मारक बना हुआ था। आज यह खाद कारखाना शानदार तरीके से चल रहा है। नकहा से फर्टिलाइजर और स्पोर्ट्स कॉलेज जाने के लिए ओवरब्रिज बन गया है। बरगदवा से नकहा होते हुए मोहद्दीपुर तक फोरलेन सड़क बन गई है। इन विकास कार्यों को पहले सोचा तक नहीं जाता था। उन्होंने कहा कि महेश्वर में मुख्य मार्ग के फोरलेन बन जाने से अब यहां जाम नहीं लगता और लोगों को कोई दिक्कत नहीं होती। लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि बिना भेदभाव सबको विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही पीएम मोदी व सीएम योगी का लक्ष्य है।

कल्याण मंडपम और अन्य विकास परियोजनाओं की खूबी बताई सीएम ने

लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल्याण मंडपम और अन्य विकास परियोजनाओं की खूबी भी बताई। कहा कि कल्याण मंडपम अल्प और मध्य आयवर्ग के लोगों के सार्वजनिक कार्यक्रमों को भव्य और यादगार बनाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने बताया कि शहर में कुल नौ कल्याण मंडपम या तो बन गए हैं या निर्माणधीन है। इसे बनाने के लिए उन्होंने अपनी विधायक निधि से राशि दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज जिस एकीकृत मंडलीय कार्यालय का शिलान्यास हुआ है, वहां सभी मंडलीय अधिकारी एक ही छत के नीचे जनता के लिए उपलब्ध रहेंगे। हर तबके के आवासीय सुविधा के लिए कुश्मी एंक्लेव का शिलान्यास हुआ है। ये सभी परियोजनाएं बेहतर सुविधा बनाने और नागरिकों के सपनों में उड़ान का माध्यम बनेंगी। इससे लोगों का जीवन आसान होगा और वे अपना काम सरलता से कर सकेंगे।

फास्ट न्यूज

असम-बंगाल में कांग्रेस के 21 में से 20 विधायक मुस्लिम

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मुस्लिम सीटों पर सबसे अलग ट्रेंड बंगाल में दिखा। यहां 142 मुस्लिम सीटों में से भाजपा ने 72, टीएमसी ने 64 सीटें और कांग्रेस को 2 सीटें मिलीं। वहीं, असम की 22 मुस्लिम बहुल सीटों पर कांग्रेस को 18, AIUDF को 2 सीटें मिलीं। केरलम की 44 मुस्लिम बहुल सीटों में IUML को 21 और कांग्रेस को 14 सीटें मिलीं।

जज के फंदे पर लटकते ही पत्नी घर से भागी

अलवर। दिल्ली में सुसाइड करने वाले जज अमन कुमार शर्मा (30) पत्नी से इतने परेशान थे कि उसके सामने ही फंदे पर लटकने बाथरूम में चले गए। पत्नी ने भी उनको रोका नहीं, बल्कि अपनी IAS बहन को फोन कर घर बुलाया। फिर दोनों बच्चों को लेकर कार से रवाना हो गई। इस दौरान अमन के पिता एडवोकेट प्रेम कुमार शर्मा घर की गैलरी में थे। इस पूरी घटना की जानकारी प्रेम कुमार ने पुलिस को दी है। अमन कुमार मूल रूप से खैरथल-तिजारा के मुंडाना के रहने वाले थे। वर्तमान में उनके घर वाले अलवर शहर के हसन खां मेवात नगर में रहते हैं। अमन की पोस्टिंग दिल्ली के कोर्ट में थी। अमन की पत्नी भी जज हैं।

असम के 126 विधायकों में से 63 दोबारा जीते

असम। असम विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। 126 विधायकों में से आधे विधायक यानी 63 ही दोबारा चुने गए हैं। नए चुने गए सभी विधायकों में से 21 (17%) पर आपराधिक और 19 (15%) पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) ने ये रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार 3 विधायकों पर मर्डर की कोशिश और 2 पर महिलाओं के खिलाफ अत्याचार का केस है।

सुप्रीम कोर्ट में बढ़ेगी जजों की संख्या

अब होंगे कुल 38 न्यायाधीश, संसद में आएगा बिल

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। देश की न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के तहत अब शीर्ष अदालत में जजों की कुल संख्या बढ़ाकर 38 करने की तैयारी है। वर्तमान में Supreme Court of India में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल 34 जज कार्यरत हैं। केंद्रीय मंत्री Ashwini Vaishnaw ने इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि जजों की संख्या में चार की बढ़ोतरी के लिए संसद के आगामी सत्र में विधेयक पेश किया जाएगा।

बढ़ते मामलों का दबाव बना वजह

सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे न्याय मिलने में देरी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। न्यायिक बोझ कम करने और मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए जजों की संख्या बढ़ाना जरूरी माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, जजों की संख्या बढ़ने से सुप्रीम कोर्ट में अधिक बेंच (पीठ) का गठन संभव होगा। इससे विशेष रूप से संविधान पीठ से जुड़े मामलों और महत्वपूर्ण संवैधानिक अपीलों की सुनवाई में तेजी आएगी।

सरकार का मानना है कि इस फैसले से न्यायिक प्रणाली अधिक प्रभावी और तेज होगी। लंबित मामलों के बोझ को कम करने के साथ-साथ आम जनता को समय पर न्याय मिल सकेगा। यह कदम न्याय व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक अहम पहल के रूप में देखा जा रहा है।

योगी सरकार ने लागू की नई तबादला नीति

अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बदले नियम

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊः उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए नई वार्षिक स्थानांतरण नीति की घोषणा कर दी है । मुख्य सचिव एस.पी. गोयल द्वारा जारी इस शासनादेश के तहत प्रदेश के सरकारी अमले में बड़े फेरबदल की तैयारी शुरू हो गई है । इस नई नीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सभी स्तर के स्थानांतरण 31 मई, 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरे कर लिए जाएंगे । नई नीति के अनुसार, समूह 'क' और 'ख' के वे अधिकारी जो एक जिले में 03 साल और एक मंडल में 07 साल की

सेवा पूरी कर चुके हैं, उनका तबादला अनिवार्य होगा । इन वर्गों में कुल कार्यरत अधिकारियों के अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही तबादले किए जा सकेंगे । 20 प्रतिशत से अधिक स्थानांतरण की स्थिति में सीधे मुख्यमंत्री की अनुमति लेना अनिवार्य होगा । साथ ही, समूह 'क' के अधिकारियों को उनके गृह जनपद में तैनाती नहीं मिलेगी ।

>> (शेष पेज 04 पर)

हमारे पास 21 राज्यों की पुलिस : राघव चड्ढा

चंडीगढ़/नई दिल्ली। 6 सांसदों के आम आदमी पार्टी (AAP) छोड़ BJP जॉइन करने के खिलाफ पंजाब CM भगवंत मान ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इसके बाद CM मान ने कहा कि मैंने राष्ट्रपति को बताया कि पूरी पार्टी दो तिहाई बहुमत से दूसरी पार्टी में मर्ज हो सकती है, सिर्फ एक हाउस के 6-7 लोग ऐसा कहें तो यह मनमानी नहीं चलेगी। यह लोकतंत्र का मजाक है। मैंने बताया कि पंजाब में भाजपा के MLA 2 हैं और राज्यसभा के 6 सांसद हो गए, यह संविधान का मजाक है। मैंने संविधान में संशोधन कर राइट टू रिकॉल की मांग की। मान सुबह ही 90 MLA को 3 वॉल्वो बसों में लेकर दिल्ली पहुंचे थे। मान से पहले AAP छोड़ने वाले सांसद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक राष्ट्रपति से मिले। उन्होंने पार्टी छोड़ने के बाद पंजाब की सरकारी मशीनरी का मिसयूज कर उन्हें टारगेट करने का आरोप लगाया। चड्ढा ने कहा कि AAP बदले की आग में जल रही है।

सेलिब्रेशन : फिल्म की शूटिंग, बर्थ-डे सेलिब्रेशन भी कर सकेंगे, 15 दिन पहले करानी होगी बुकिंग

भोपाल-इंदौर मेट्रो में 7000 में प्री-वेडिंग शूट

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। भोपाल और इंदौर मेट्रो में अब प्री-वेडिंग शूट, फिल्म की शूटिंग और बर्थडे सेलिब्रेशन भी किए जा सकेंगे। इसके लिए लोगों को एक घंटे के 5 से 7 हजार रुपए तक खर्च करने पड़ेंगे। 15 दिन पहले बुकिंग भी करानी होगी। नियम और टाइमिंग दोनों का ध्यान रखना होगा। सेलिब्रेशन में न तो शराब ले जा सकेंगे और न ही बीड़ी-सिगरेट। पटाखे ले जाने पर भी मनाही है। मेट्रो में प्रवेश से पहले स्टेशन पर चेकिंग की जाएगी। इस सुविधा की शुरुआत 5 मई से ही कर दी गई है। बता दें कि भोपाल में मेट्रो का उद्घाटन पिछले साल 20 दिसंबर को हुआ था। इसे 21 दिसंबर से आम लोगों के लिए खोला गया था। इससे पहले इंदौर में 31 मई 2025 से मेट्रो ट्रैक पर दौड़ने लगी थी।

शुरुआत में अच्छी संख्या में लोग मेट्रो का सफर करने पहुंचे लेकिन अब यात्री बहुत घट गए हैं। भोपाल में स्थिति यह है कि एक दिन में मेट्रो में 100 यात्री भी सफर नहीं करते, जबकि इसका हर रोज का खर्च 8 लाख रुपए तक है। यही कारण है कि अब मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स' की शुरुआत की है। बर्थ-डे हो या प्री-वेडिंग, फिल्म की शूटिंग और इवेंट्स, मेट्रो अब नया डेस्टिनेशन बनेगा। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में चल रही मेट्रो में ये सुविधा पहले से लागू है।

भोपाल-इंदौर में यहां चल रही मेट्रो

भोपाल में मेट्रो करीब 6 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर दौड़ रही है। इसके 8 स्टेशन हैं। इनमें सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स शामिल हैं। वहीं, इंदौर में 6.3 किलोमीटर के दायरे में मेट्रो का संचालन हो रहा है। गांधी नगर, सुपर कॉरिडोर स्टेशन- 5, 6, 4 और 3 में मेट्रो चल रही है।

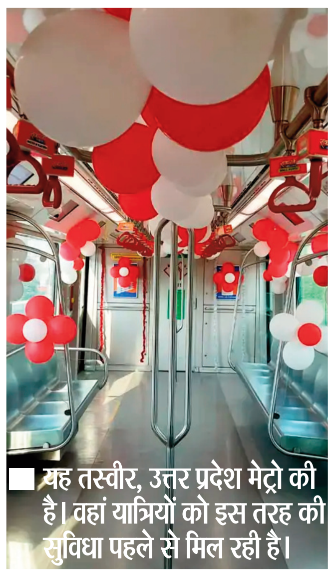

यह तस्वीर, उत्तर प्रदेश मेट्रो की है। वहां यात्रियों को इस तरह की सुविधा पहले से मिल रही है।

सम्पादकीय

चुनावी नतीजों से बनी 2029 की तस्वीर

2014 के कुछ पहले से देश में एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही थी, जिसमें भाजपा के नरेन्द्र मोदी के बरक्स कांग्रेस के राहुल गांधी को खड़ा किया जाता था। हालांकि 2014 में नरेन्द्र मोदी भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे और राहुल गांधी एक सांसद से ज्यादा कुछ नहीं थे। फिर भी भाजपा के निशाने पर गांधी परिवार रहता था और इसमें भी राहुल गांधी तो 2004 से ही, जब वे पहली बार सांसद बने थे, तब से भाजपा के निशाने पर रहते थे। दरअसल भाजपा ने 2014 में कांग्रेस मुक्त भारत की मुहिम छेड़ी थी और उसका यह अनुमान था कि अगर राहुल गांधी को पस्त किया जा सके तो कांग्रेस भी फिर ज्यादा वक्त तक टिक नहीं पाएगी। 2014 के बाद के जिन चुनावों में कांग्रेस को मात मिलती, उसे भाजपा कांग्रेस मुक्तभारत की तरफ एक और कदम बताती थी। लेकिन धीरे-धीरे उसे समझ आया कि न राहुल गांधी को झुकाना संभव है, न देश को कांग्रेस मुक्त बनाना। इसके बाद भाजपा की रणनीति बदली और उसके निशाने पर आए क्षेत्रीय दल। चाहे विपक्ष के दल हों या एनडीए में भाजपा के अपने सहयोगी दल, किसी को भी बख्शा नहीं गया। 2026 में जो पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए हैं, उनके नतीजे इसी रणनीति, इसकी सियासी कहानी का विस्तार कहे जा सकते हैं। तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, असम और प.बंगाल में 4 मई को आए नतीजे केवल इन राज्यों के लिए नहीं बल्कि समूचे लोकतंत्र के लिए बड़ा संदेश लेकर आए हैं। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक पूरे नतीजे तो घोषित नहीं हुए, लेकिन असम और पुडुचेरी में भाजपा की सरकार फिर से बन रही है, प.बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी 15 साल बाद हार रही है, लेकिन भाजपा को बड़ी जीत मिली है, यह ज्यादा बड़ी खबर है। केरल में कांग्रेस 10 साल बाद सत्ता में आ रही है और पहली बार वाम मोर्चा किसी राज्य में सत्ता में नहीं है। वहीं तमिलनाडु में भी डीएमके सत्ता से बाहर हो गई है। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानी डीएमके और कांग्रेस गठबंधन अपनी सत्ता बरकरार नहीं रख पाए। लेकिन यहां की परंपरागत राजनीति की तरह इस बार अन्नाद्रमुक को सत्ता नहीं मिली, बल्कि टीवीके बनाकर राजनीति में पहली बार कदम रखने वाले फिल्मों के सुपरस्टार थलापति विजय ने बड़ी जीत हासिल की है। तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी अभिनेता-अभिनेत्रियों का बड़ा कद हासिल करना नया चलन नहीं है। लेकिन फिर भी टीवीके की जीत पर आश्चर्य जताया जा रहा है क्योंकि विजय कभी अपनी रैलियों में अव्यवस्था को लेकर, कभी निजी जीवन के विवादों को लेकर सवालों के घेरे में रहे। यह तो माना जा रहा था कि विजय के कारण वोट बंटेंगे और खासकर स्टालिन को नुकसान होगा, लेकिन इसकी उम्मीद नहीं थी कि इतनी बड़ी जीत वो दर्ज करेंगे। बहरहाल, अब वे किस तरह सत्ता संभालते हैं और क्या कांग्रेस इसका हिस्सा किसी तरह बनती है या नहीं, ये देखना होगा। क्योंकि विजय डीएमके विरोधी तो हैं, लेकिन कांग्रेस के लिए अपना झुकाव वे एकाधिक मौकों पर दिखा चुके हैं। अगर कांग्रेस गठबंधन में उन्हें साथ लेती तो शायद तमिलनाडु में समीकरण बदल सकते थे। बहरहाल, कांग्रेस ने केरल में बड़ी जीत दर्ज की है और उस एलडीएफ को हराया है, जिसे राहुल गांधी कई बार भाजपा का सहयोगी बता चुके हैं। केरल में कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनेगा यह तो तय है, बस नाम पर मुहर लगना बाकी है। लेकिन इस जीत में कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती भी है कि उसे यहां खाता खोल चुकी भाजपा को और आगे बढ़ने नहीं देना है। क्योंकि भाजपा की शुरुआत कम अंकों से भी हो, तब भी अपनी जायज-नाजायज रणनीतियों और तरीकों से वह बड़े अंक जल्द ही ले आती है। प.बंगाल इसी का उदाहरण है। 2014 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद अब नरेन्द्र मोदी के खाते में दो बड़ी सफलताएं जुड़ चुकी हैं। एक तो बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाना और दूसरा प.बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनाना। इन सफलताओं में ईवीएम धांधली, एसआईआर और चुनाव आयोग के पक्षपाती रवैये का कितना योगदान है, यह अलग विश्लेषण का विषय है। लेकिन क्षेत्रीय दलों के लिए भाजपा का ऐसा प्रदर्शन अब उनके अस्तित्व के लिए ही बड़ी चुनौती बन चुका है। महाराष्ट्र में भाजपा को शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस ने सत्ता से बाहर किया तो भाजपा ने पहले शिवसेना और फिर एनसीपी को ही तोड़ दिया। अब इस राज्य में ये क्षेत्रीय दल इतने मजबूत नहीं रह पाएं हैं कि अकेले भाजपा का मुकाबला कर सकें। हरियाणा में भाजपा ने यही खेल जेजेपी के साथ खेला। ओडिशा में बीजू जनता दल को विपक्ष में बैठने पर मजबूर किया। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल का नाम लालू प्रसाद के कारण बचा हुआ है, लेकिन वह भी कब तक कहा नहीं जा सकता। लोकजनशक्ति पार्टी भी भाजपा ने तुड़वा ही दी है। जनता दल यूनाइटेड भाजपा के साथ सत्ता में है, लेकिन नीतीश कु मार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतरवाकर भाजपा ने उसे भी जमीनी हकीकत से परिचय करा दिया है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी को पहले हराया और अब तोड़ दिया गया है। ले देकर इस समय केवल पंजाब में आप की सत्ता है, जो गैरभाजपा, गैरकांग्रेस सरकार है। यहां शिरोमणि अकाली दल भी भाजपा ने खत्म ही कर दिया है। अब अगले साल के चुनाव बताएंगे कि यहां कांग्रेस पहले की तरह जीत दर्ज करती है या फिर भाजपा के खाते में ये राज्य भी आएगा। यही चुनौती अगले साल उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के सामने होगी, जिसमें वे भाजपा को हरा सके तो समाजवादी पार्टी का अस्तित्व मजबूत होगा।

सूचना का अधिकार : नियंत्रित पारदर्शिता की ओर बढ़ता भारत

> पहला, हिंदुत्व की "भौगोलिक सीमा" टूटने से भाजपा को बड़ा बल मिला। खासकर पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में भाजपा की सफलता का सबसे बड़ा राजनीतिक अर्थ यही है कि हिंदुत्व अब केवल हिंदी पट्टी तक सीमित नहीं रहा।

आधुनिक ऊर्जा और भू-राजनीतिक परिदृश्य में पूर्ण अपारदर्शिता न तो संभव है और न ही वांछनीय, लेकिन जब गोपनीयता का दायरा लगातार विस्तृत होता जाए और पारदर्शिता अपवाद बन जाए, तो लोकतांत्रिक जवाबदेही पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। इसलिए ऊर्जा क्षेत्र में पारदर्शिता केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही का मूल आधार है, और यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि गोपनीयता सार्वजनिक हित तथा नागरिकों के सूचना अधिकार को पीछे न धकेल दे। केंद्रीय सूचना आयोग द्वारा रूस से भारत के कच्चे तेल आयात संबंधी विस्तृत जानकारी को सार्वजनिक करने से इनकार को 27 अप्रैल 2026 के हालिया फैसले में बरकरार रखा गया, जो एक बार फिर यह प्रश्न उठाता है कि पारदर्शिता और राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन कहां स्थापित किया जाए। आयोग ने सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(1)(डी)—जो वाणिज्यिक गोपनीयता, व्यापार रहस्य या बौद्धिक संपदा से जुड़ी ऐसी सूचनाओं को सार्वजनिक करने से छूट देती है जिनसे किसी तृतीय पक्ष की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति प्रभावित हो सकती है—और धारा 8(1)(ई)—जो विश्वासगत संबंध में प्राप्त सूचनाओं के प्रकटीकरण से छूट प्रदान करती है—का हवाला देते हुए कहा कि कंपनी-वार आयात डेटा में मूल्य निर्धारण, अनुबंध, छूट और व्यापारिक रणनीतियों जैसी संवेदनशील जानकारियां शामिल होती हैं, जिन्हें सरकार विश्वासगत आधार पर प्राप्त करती है; अतः इनके प्रकटीकरण को छूट के दायरे में रखा जाना उचित है। इस प्रकार आयोग ने पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के उस निर्णय को सही ठहराया, जिसमें जून 2022 से जून 2025 के बीच रूस से आयातित कच्चे तेल का कंपनी वार और विस्तृत देश वार विवरण देने से मना किया गया था। पीपीएसी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय का एक प्रमुख तकनीकी विश्लेषणात्मक विंग है, जो डेटा संग्रह, विश्लेषण और नीति समर्थन के माध्यम से देश की ऊर्जा सुरक्षा और पेट्रोलियम अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। यह फैसला सूचना के अधिकार अधिनियम की मूल भावना पर

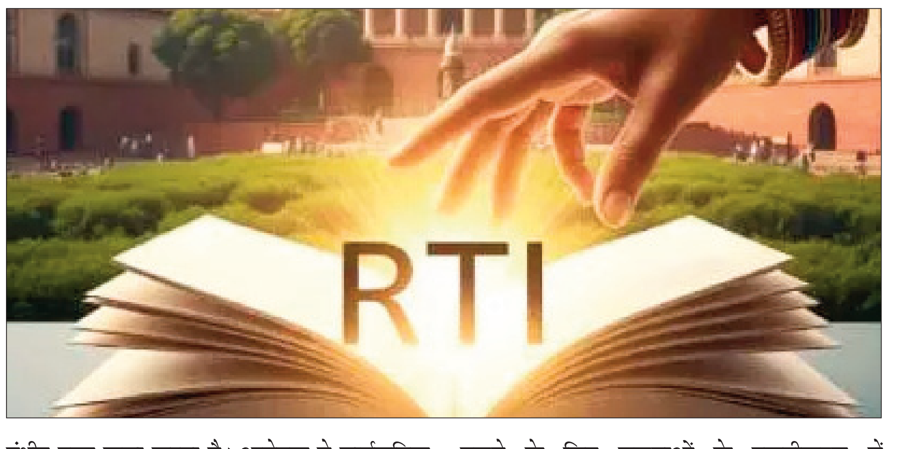

गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। आवेदक ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों, रिलायंस और नायरा एनर्जी के लिए अलग-अलग आंकड़े मांगे थे । हालांकि आयोग ने अपील खारिज कर दी, लेकिन साथ ही पीपीएसी को आरटीआई अधिनियम की धारा 4 और 25(5) के तहत स्वप्रेरित पारदर्शिता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। यह रुख आयोग के उस प्रयास को दर्शाता है, जिसमें वह गोपनीयता और सार्वजनिक सूचना के बीच संतुलन साधना चाहता है। फिर भी, विस्तृत आयात डेटा को छूट देते हुए पारदर्शिता बढ़ाने के निर्देश देना कुछ हद तक विरोधाभासी प्रतीत होता है। यह निर्णय ऐसे समय आया है जब रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती रूसी तेल आयात बढ़ाया और 2024-25 में रूस उसका प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया; वैश्विक प्रतिबंधों, मध्य पूर्व तनाव और अमेरिका के दबाव रियायत के बीच भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को संतुलित करता रहा है। सरकार का तर्क है कि कई देशों में संवेदनशील व्यापारिक डेटा को गोपनीय रखना सामान्य प्रथा है। ऊर्जा आयात अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भू राजनीतिक विषय है; इसलिए यह जानकारी सार्वजनिक करने से कंपनियों की सौदेबाजी क्षमता कमजोर हो सकती है और अंतरराष्ट्रीय दबाव के कारण राष्ट्रीय हित प्रभावित हो सकते हैं। गोपनीयता के ऐसे फैसलों से यह प्रश्न भी उठता है कि कहीं सरकार अंतरराष्ट्रीय दबाव—विशेषकर अमेरिका की संभावित नाराज़गी—से बचने के लिए सूचनाओं के प्रकटीकरण में अतिरिक्त सावधानी तो नहीं बरत रही। यह प्रवृत्ति नई नहीं है; रक्षा, ऊर्जा और कूटनीति जैसे क्षेत्रों में डेटा साझा करने में सावधानी बरतना लंबे समय से राज्य की नीति रही है, क्योंकि इन क्षेत्रों में सूचना को शक्ति माना जाता है। सरकार के तर्कों के बावजूद पारदर्शिता की कुछ गुंजाइश फिर भी है। तेल बाज़ार अत्यंत अपारदर्शी है। प्रतिबंधित देश पहचान छिपाने हेतु अक्सर गुप्त जहाजों, ध्वज-परिवर्तन जैसे तरीकों से व्यापार करते हैं । ऐसे में यदि कंपनी या देश-वार डेटा सार्वजनिक न हो, तो तेल के वास्तविक स्रोत, कीमत, संभावित अनियमितताओं तथा अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन का आकलन कठिन हो जाता है। सस्ते कच्चे तेल का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं हो पाता है । जिससे बाजार पारदर्शिता और देश की विश्वसनीयता दोनों प्रभावित होती हैं। राजनीतिक विश्लेषण पत्रिका सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों में स्पष्ट किया गया है कि सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत छूट तभी लागू हो सकती है, जब सूचना के खुलासे से वास्तविक और प्रमाणित नुकसान हो तथा सार्वजनिक हित उससे अधिक न हो । सुप्रीम कोर्ट के स्थापित सिद्धांत स्पष्ट करते हैं कि सूचना का खुलासा नियम है और गोपनीयता अपवाद । सीआईसी ने अपने निर्णय में ऐसा प्रतीत होता है कि सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(2) अलग से परीक्षण नहीं किया है , जो स्पष्ट रूप से यह प्रावधान करती है कि धारा 8(1) के तहत दी गई किसी भी छूट के बावजूद, यदि सूचना के प्रकटीकरण से होने वाला जनहित उसे रोकने से होने वाले संभावित नुकसान से अधिक हो, तो संबंधित प्राधिकरण को वह सूचना उपलब्ध करानी चाहिए। तेल आयात का डेटा स्पष्ट रूप से सार्वजनिक हित से जुड़ा है, क्योंकि यह ऊर्जा सुरक्षा, मूल्य पारदर्शिता, सस्ते कच्चे तेल का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने और नीति की प्रभावशीलता से सीधे संबंधित है। कंपनी वार जानकारी न होने से यह आकलन कठिन हो जाता है कि आयात का लाभ पूरी तरह उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है या कुछ सौदे महंगे पड़ रहे हैं, जिससे नीति मूल्यांकन सीमित होता है और जवाबदेही कमजोर पड़ती है। यह 'नियंत्रित पारदर्शिता' का मॉडल है, जिसमें आंकड़ों की झलक तो मिलती है, लेकिन असली तस्वीर सूक्ष्म गोपनीयता के पर्दे के पीछे ही रहती सीआईसी का यह रुख संकेत देता है कि हाल के वर्षों में वह पारदर्शिता की तुलना में संवेदनशील सूचनाओं पर अधिक सतर्क और प्रतिबंधात्मक दृष्टिकोण अपना रहा है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों की ओट में सूचना को सीमित रखने की प्रवृत्ति है, जिससे रक्षा सौदों सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में जानकारी रोकी गई है, और इससे पारदर्शिता घटने के साथ-साथ संभावित अनियमितताओं या भ्रष्टाचार की प्रभावी जांच और पहचान की क्षमता भी सीमित होती है, जिससे सूचना के अधिकार की मूल भावना—खुलासा नियम और छूट अपवाद—कमजोर पड़ने का खतरा बढ़ता है। आधुनिक ऊर्जा और भू-राजनीतिक परिदृश्य में पूर्ण अपारदर्शिता न तो संभव है और न ही वांछनीय, लेकिन जब गोपनीयता का दायरा लगातार विस्तृत होता जाए और पारदर्शिता अपवाद बन जाए, तो लोकतांत्रिक जवाबदेही पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। इसलिए ऊर्जा क्षेत्र में पारदर्शिता केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही का मूल आधार है, और यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि गोपनीयता सार्वजनिक हित तथा नागरिकों के सूचना अधिकार को पीछे न धकेल दे।

■ अरुण कुमार डनायक

जन सुराज का...

अशोक कुमार झा

बंगाल में बदला सत्ता का इतिहास: कांग्रेस से वाम, वाम से तृणमूल और अब भाजपा का दौर

पश्चिम बंगाल की राजनीति ने एक बार फिर ऐतिहासिक करवट ली है। दशकों से चल रहा सत्ता परिवर्तन का सिलसिला 2026 में एक नए मुकाम पर पहुंच गया है। यह केवल एक चुनावी जीत या हार की कहानी नहीं, बल्कि उस बदलती जनभावना का प्रमाण है, जिसने समय-समय पर राज्य की दिशा और दशा दोनों को तय किया है। इस बार जनता ने साफ और निर्णायक जनादेश देते हुए भारतीय जनता पार्टी को 294 सदस्यीय विधानसभा में 200 से अधिक सीटों के साथ प्रचंड बहुमत सौंप दिया है। दूसरी ओर, लंबे समय से सत्ता में रही आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस करीब 80 सीटों तक सिमट गई है। यह परिणाम केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक सोच, प्राथमिकताओं और नेतृत्व के प्रति जनता के नजरिए में आए व्यापक बदलाव का संकेत है। आज़ादी के बाद पश्चिम बंगाल में भारतीय राष्ट्रिय कांग्रेस का वर्चस्व स्थापित हुआ। यह वह दौर था जब देश विभाजन के घावों से उबरने की कोशिश कर रहा था और बंगाल इस त्रासदी का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ था। लाखों शरणार्थियों का पुनर्वास, आर्थिक अस्थिरता और सामाजिक असंतुलन जैसी चुनौतियों के बीच कांग्रेस ने प्रशासनिक ढांचा खड़ा किया और राज्य को स्थिरता देने का प्रयास किया। लेकिन समय के साथ बेरोज़गारी, औद्योगिक ठहराव और बढ़ती असमानताओं ने जनता में असंतोष पैदा किया। यही असंतोष धीरे-धीरे राजनीतिक परिवर्तन की जमीन तैयार करता गया। 1977 में यह असंतोष एक बड़े राजनीतिक बदलाव के रूप में सामने आया, जब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सिस्ट) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में आया। इसके बाद शुरू हुआ 34 वर्षों का लंबा शासन, जिसने बंगाल की राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। इस दौर में भूमि सुधार (ऑपरेशन बर्गा) और पंचायत व्यवस्था को सशक्त बनाने जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए गए, जिनसे

ग्रामीण क्षेत्रों में राजनीतिक भागीदारी बढ़ी और गरीब तबकों को एक नई पहचान मिली। वामपंथी सरकारों ने सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों को केंद्र में रखा, जिससे उन्हें लंबे समय तक जनसमर्थन मिलता रहा। हालांकि, समय के साथ इस शासन की सीमाएं भी सामने आने लगीं। उद्योगों का पलायन, निवेश की कमी, रोजगार के अवसरों में गिरावट और राजनीतिक हिंसा के आरोपों ने वामपंथी सरकार की छवि को प्रभावित किया। सिंगूर और नंदीग्राम जैसे आंदोलनों ने जनता के भीतर गहराते असंतोष को उजागर किया और "परिवर्तन" की मांग को एक जनांदोलन का रूप दे दिया। यही वह दौर था, जिसने बंगाल की राजनीति को एक बार फिर मोड़ पर ला खड़ा किया। 2011 में ममता बनर्जी के नेतृत्व में आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर वामपंथ के 34 वर्षों के शासन का अंत कर दिया। "माटी, मानुष" के नारे के साथ उभरी ममता बनर्जी ने खुद को आम जनता की आवाज के रूप में स्थापित किया। उनकी सरकार ने कन्याश्री, रूपश्री और सबुज साथी जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच मजबूत की। शुरुआती वर्षों में उनकी छवि एक संघर्षशील और जनोन्मुखी नेता की रही, जिसने उन्हें व्यापक समर्थन दिलाया। लेकिन एक दशक से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बाद उनकी सरकार भी आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। भ्रष्टाचार के आरोप, राजनीतिक हिंसा की घटनाएं और प्रशासनिक केंद्रीकरण जैसे मुद्दों ने विपक्ष को मजबूत होने का अवसर दिया। इसके बावजूद, ममता बनर्जी लंबे समय तक बंगाल की राजनीति की केंद्रीय धुरी बनी रहीं और उन्होंने अपनी पकड़ बनाए रखी। इसी दौरान 2014 के बाद भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में अपनी राजनीतिक जमीन को तेजी से विस्तार देना शुरू किया। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, नए सामाजिक वर्गों तक पहुंच बनाना और आक्रामक चुनावी रणनीति अपनाना—इन सबने भाजपा को धीरे-धीरे एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित किया। 2019 के लोकसभा चुनाव में उल्लेखनीय प्रदर्शन और 2021 के विधानसभा चुनाव में कड़ी टक्कर ने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा अब केवल विपक्ष नहीं, बल्कि सत्ता की दावेदार बन चुकी है। 2026 का चुनाव इस पूरी प्रक्रिया का निर्णायक परिणाम लेकर आया। जनता ने स्पष्ट और मजबूत जनादेश देते हुए भाजपा को 200 से अधिक सीटों के साथ प्रचंड बहुमत दिया। यह जीत केवल राजनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरुआत का संकेत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है, जो मतदाताओं ने नई नीतियों, नई सोच और नए नेतृत्व के प्रति जताया है। अब इस ऐतिहासिक जीत के बाद सबसे बड़ा सवाल नेतृत्व को लेकर खड़ा है। राज्य की कमान किसके हाथ में होगी, यह आने वाले समय की राजनीति और शासन शैली दोनों को प्रभावित करेगा। मिथुन चक्रबर्ती अपनी लोकप्रियता, जनअपील और भावनात्मक जुड़ाव के कारण एक बड़े चेहरे के रूप में देखे जा रहे हैं। वहीं शुभेंदु अधिकारी संगठन, रणनीति और प्रशासनिक अनुभव के आधार पर एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरते हैं। ऐसे में पार्टी के सामने यह चुनौती है कि वह करिश्मा और अनुभव के बीच संतुलन स्थापित करते हुए सही नेतृत्व का चयन करे।

जहां पहले हिंदुत्व ...

कमलेश पांडेय

हिंदुत्व पर फिदा हुए वोटर, तुष्टीकरण की निकल गई कचूमर!

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने हिंदुत्व की राजनीति को केवल चुनावी नहीं बल्कि वैचारिक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी बड़ा बल दिया है। विशेषकर उन राज्यों में, जहाँ पहले भाजपा या हिंदुत्व आधारित राजनीति को सीमित माना जाता था, वहाँ मिली सफलता ने यह संदेश दिया है कि हिंदुत्व अब केवल उत्तर भारत की राजनीतिक धारा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श का स्थायी केंद्र बन चुका है। अब यह स्पष्ट हो चुका है कि हिंदुत्व केवल धार्मिक विचार नहीं, बल्कि "राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान" का राजनीतिक मॉडल है। यही वजह है कि हिंदुत्व पर वोटर फिदा हुए, जिससे सियासी तुष्टीकरण की कचूमर पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों ने भारतीय राजनीति का नया संदेश दे दिया है, वह यह कि अब वोटर केवल जातीय समीकरण या तुष्टीकरण की राजनीति से प्रभावित नहीं हो रहा, बल्कि वह सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा और मजबूत नेतृत्व को प्राथमिकता दे रहा है। हिंदुत्व अब सिर्फ वैचारिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक व्यापक राजनीतिक चेतना बन चुका है। वोटर ने साफ संकेत दिया है कि विकास के साथ जुड़ा राष्ट्रवादी विमर्श उसे अधिक स्वीकार्य है, जबकि तुष्टीकरण आधारित राजनीति पर जनता का भरोसा तेजी से कमजोर पड़ रहा है। बंगाल से असम तक और दक्षिण भारत तक उभरते राजनीतिक संकेत बता रहे हैं कि भारतीय राजनीति की धुरी बदल चुकी है। अब चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि वैचारिक पुनर्संरचना का संकेत बनते जा रहे हैं। भारतीय राजनीति में इसके असर दूरगामी होंगे। दूसरा, विपक्ष की "सेक्युलर राजनीति" कमजोर हुई, जिससे भाजपा नीत एनडीए को सियासी बल मिलेगा। चूंकि इन

चुनावों ने यह भी दिखाया कि पारंपरिक धर्मनिरपेक्ष राजनीति अब पहले जैसी प्रभावशाली नहीं रही। विशेषकर तुष्टिकरण के आरोप, जातीय गठबंधनों की सीमाएँ, और कमजोर वैचारिक नेतृत्व ने विपक्ष को रक्षात्मक बना दिया। जबकि भाजपा अब यह दावा और आक्रामक ढंग से करेगी कि: "बहुसंख्यक समाज की राजनीतिक चेतना अब स्थायी रूप से जागृत हो चुकी है।" तीसरा, हिंदुत्व और कल्याणकारी योजनाओं का मॉडल सफल दिखा। जहां पहले हिंदुत्व को केवल भावनात्मक मुद्दा माना जाता था, लेकिन अब भाजपा ने इसे गरीब कल्याण, महिला योजनाएँ, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, और विकास के साथ जोड़ दिया है। यही कारण है कि लाभार्थी वर्ग का एक बड़ा हिस्सा वैचारिक रूप से भी भाजपा के करीब आता दिख रहा है। यह "सॉफ्ट हिंदुत्व" और "विकासवादी हिंदुत्व" का नया मिश्रण है। चौथा, 2029 के लिए भाजपा का वैचारिक आत्मविश्वास बढ़ा है क्योंकि इन परिणामों के बाद भाजपा और संघ परिवार को यह विश्वास मिलेगा कि राम मंदिर, समान नागरिक संहिता, जनसंख्या नियंत्रण, घुसपैठ विरोध, और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद जैसे मुद्दे अब चुनावी रूप से लाभकारी हैं। इससे आने वाले वर्षों में हिंदुत्व आधारित विमर्श और अधिक आक्रामक हो सकता है।

जरा हटके

अब वह ये मानेगी ...

अशोक भाटिया

क्या बंगाल की आंधी के बाद पंजाब की बारी है ?

पश्चिम बंगाल में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का जोश हाई है। दिल्ली समेत देश के तमाम राज्यों में स्थित भाजपा कार्यालयों में जीत का जश्न मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी भी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के जश्न में शामिल हुए व साथ कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया । इस बीच पश्चिम बंगाल में मिली बढ़त के बीच भाजपा ने इस प्रदर्शन को राजनीतिक हथियार बनाना शुरू कर दिया है क्योकि बंगाल में बीजेपी की मजबूत स्थिति को पार्टी बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देख रही है। यह प्रदर्शन न केवल राज्य की राजनीति में असर डाल सकता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बीजेपी की रणनीति को मजबूती देने वाला माना जा रहा है। चुनाव नतीजों के बाद जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए पंजाब के भाजपा नेताओं ने इस बात को दोहराया कि यदि कड़ी मेहनत से पश्चिम बंगाल में असंभव को संभव किया जा सकता है तो उसी तरह की मेहनत पंजाब में भी जीत दिलाएगी। प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ ने तो कार्यकर्ताओं को 2027 के लिए कमर कस लेने की बात कहते कहा कि पार्टी का अगला फोकस पंजाब पर ही रहना है। यही नहीं बंगाल की जीत पंजाब के लिए कई मायनों में अहम है। माना जा रहा है कि इस जीत के बाद भाजपा नेतृत्व का पूरा ध्यान अब पंजाब के 2027 में होने वाले चुनाव पर रहेगा। ऐसे में आगामी दिनों में पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार और केंद्र की भाजपा सरकार के बीच टकराव और बढ़ने के भी आसार बन सकते हैं।2022 के विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगातार आप और केंद्र की भाजपा सरकार के बीच किसी न किसी मुद्दे को लेकर टकराव बना रहा है, फिर भले ही वह पानी का मुद्दा हो, आरडीएफ न देने की बात हो, बीबीएमबी का मुद्दा हो या फिर बाढ़ राहत के लिए पैसे नहीं देने की बात हो। हर मामले में दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप जारी रहे हैं। भाजपा के प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'पश्चिम बंगाल के बाद अब पंजाब की बारी! AAP, अपना बोरिया-बिस्तर बांध लो!' इस बयान से साफ है कि भाजपा इस बढ़त को अन्य राज्यों में भी सियासी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। इससे पहले, केंद्रीय

राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने कहा कि बंगाल के बाद पंजाब में तख्तापलट की बारी है। वहीं पंजाब भाजपा ने भी सोशल मीडिया (X) पर पोस्टर जारी कर लिखा- बंगाल के बाद पंजाब की बारी, भाजपा की है पूरी तैयारी। भाजपा के उत्साहित नेताओं की बयानबाजी को लेकर आप सरकार चला रहे मुख्यमंत्री भगवंत ने पलटवार किया करते हुए कहा कि ये शेखचिल्ली के सपने हैं। पंजाब में BJP को वोट नहीं मिलेंगे। पंजाबी जिस बात पर अड़ गए, उस पर अड़ गए। वहीं आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया सपोर्टर्स अब पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल से 2027 इलेक्शन के लिए पंजाब पर फोकस करने की बात कह रहे हैं। 3 पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहना है कि भाजपा ने बंगाल में ममता बनर्जी का किला ढहा दिया। साफ तौर पर अगली बारी पंजाब की ही होगी।ऐसा इसलिए क्योंकि जैसे बंगाल में भाजपा कभी सरकार नहीं बना सकी, उसी तरह पंजाब में अकेले दम पर सत्ता पाना भी भाजपा के लिए किसी सपने से कम नहीं। भाजपा अब पंजाब में एग्रेसिव ढंग से पॉलिटिक्स करेगी।इससे आप में टूट का खतरा बढ़ेगा। एक्सपर्ट बंगाल चुनाव का असर कांग्रेस पर भी मान रहे हैं। बताया जाता है कि भाजपा जैसे बंगाल जीत गई। अब वह पंजाब में भी साम-दाम-दंड-भेद की नीति अपनाएगी। भाजपा के लिए बंगाल की तरह पंजाब भी सियासी कामयाबी की बड़ी पहेली रहा है। ऐसे में अब बंगाल का फॉर्मूला पंजाब में भी लागू होगा।यह भी सही है कि भाजपा की बंगाल जीत के बाद आप में टूट का खतरा बढ़ेगा। विधायक समझेंगे कि अगर भाजपा बंगाल में सरकार बना सकती है तो पंजाब में भी चौंका सकती है। उनका भरोसा बढ़ेगा और टूट के मौके ज्यादा बनेंगे। इसमें आप छोड़ने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और संदीप पाठक उनके बड़े हथियार बन सकते हैं। पर यह भी बताया जाता है कि अभी ये टूट नहीं होगी। अगर अभी कोई टूटकर गया तो आप सरकार उसे नहीं छोड़ेगी। रेड होंगी या फिर केस भी हो सकता है। फिर जमानत के चक्कर या फिर जेल जाना होगा। जैसा कि आप छोड़ने वाले राज्यसभा सांसदों के साथ हुआ।इसमें राजिंदर गुप्ता पर रेड हुई, राघव चड्ढा और हरभजन सिंह की सिक्योरिटी वापस ले ली, संदीप पाठक पर भी FIR की चर्चा है। ऐसे में कोई रिस्क नहीं लेगा। असली टूट चुनाव आने के 1-2 महीने के पहले होगी। बताया यह भी जाता है कि बंगाल में भाजपा जीत गई, इसका इंपैक्ट बिल्कुल पंजाब में दिखेगा। बंगाल के बाद भाजपा पंजाब में भी चौंकाने वाली परफॉर्मेंस दिखा सकती है। ऐसा भी लग रहा है कि पंजाब में संघ भी चुनाव में भाजपा की प्लानिंग को लेकर एक्टिव है।भाजपा पंजाब को बंगाल के बाद रिजल्ट के बाद ज्यादा सीरियस लेगी। अब वह ये मानेगी कि अगर बंगाल फतेह हो सकती है तो पंजाब भी इंपासिबिल नहीं है। इसके लिए भाजपा डेरा फैक्टर की गोटियां भी सेट कर रही है। इसमें डेरा बल्लां हो या ब्यास व डेरा सच्चा सौदा, तीनों जगह भाजपा संपर्क में है। हालांकि, इसका वोट बैंक पर कितना असर होता है, यह कभी सामने नहीं आता, लेकिन एक परसेप्शन जरूर भाजपा बनाने की कोशिश कर रही है।बंगाल चुनाव से बड़ा मैसेज कांग्रेस के लिए भी आ रहा है। पंजाब में भी अगर भाजपा का वोट शेयर बढ़ा तो कांग्रेस-आप को डेंट लग सकता है। ऐसा भी संभव है कि 2027 में पंजाब का चुनावी मुकाबले का शोर आप और भाजपा के बीच का ज्यादा हो। कुछ लोगों का कहना है कि बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत पंजाब की चुनावी राजनीति को तय करेगी। भाजपा बंगाल जीत गई, अब 2027 में भाजपा मिशन पंजाब को इनडेप्थ तरीके से लागू करेगी।जो फॉर्मूला बंगाल में कामयाब रहेगा, उसे पंजाब के लिहाज से भी देखा जाएगा। विधानसभा चुनाव नजदीक आने पर आप में भी टूट दिखाई दे सकती है। यही वजह है कि अभी राघव चड्ढा और संदीप पाठक पंजाब को लेकर बहुत एक्टिव नजर नहीं आ रहे। अभी बैकएंड प्लानिंग होगी, फिर भाजपा मैदान में आएगी और पंजाबियों को यकीन दिलाएगी कि बंगाल में लोगों ने भरोसा किया तो इस बार पंजाब को भी भाजपा को मौका देना चाहिए।

बेंगलुरु के बल्लेबाज फिल साल्ट इंग्लैंड लौटे

फील्डिंग के दौरान उंगली में चोट लगी थी, टीम को वापसी की उम्मीद

बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को मौजूदा सीजन के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम के विस्फोटक ओपनिंग बल्लेबाज Phil Salt उंगली की चोट (फिंगर इंजरी) के कारण अपने देश England लौट गए हैं। चोट की वजह से वे पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे और अब विस्तृत जांच (स्कैन) के लिए इंग्लैंड गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, साल्ट ने अपनी उंगली का स्कैन कराया है और फिलहाल परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और खुद खिलाड़ी को उम्मीद है कि वे इसी महीने के भीतर भारत लौट सकते हैं और फिर से टीम से जुड़ सकते हैं। साल्ट की गैरमौजूदगी में RCB की ओपनिंग जोड़ी में बदलाव किया गया है। अब टीम के स्टार बल्लेबाज Virat Kohli के साथ Jacob Bethell पारी की शुरुआत कर रहे हैं। हालांकि, साल्ट की

आक्रामक बल्लेबाजी की कमी टीम को महसूस हो रही है, क्योंकि वह तेज शुरुआत देने में माहिर माने जाते हैं। फिल साल्ट ने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आईपीएल में शानदार वापसी की थी। इस सीजन में उन्होंने 6 पारियों में 168.33 की स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक शैली को दर्शाता है। उनकी तेज बल्लेबाजी ने टीम को कई मैचों में मजबूत शुरुआत दिलाई थी। पिछले सीजन में भी साल्ट का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा था। उन्होंने 2025 सीजन में 175.98 की स्ट्राइक रेट से 403 रन बनाए थे और टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी निरंतरता और तेज रन बनाने की क्षमता RCB के लिए बड़ी ताकत रही है।

साल्ट की चोट पर टीम की ओर से कोई बयान नहीं

आरसीबी ने साल्ट की इंजरी को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक, साल्ट 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए थे। डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर डाइव लगाते समय उनके बाएं हाथ की उंगली में चोट आई थी।

अब टीम की निगाहें उनकी फिटनेस रिपोर्ट और वापसी पर टिकी हैं। अगर साल्ट जल्द टीम में लौटते हैं तो RCB को प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती मिल सकती है। वहीं, उनकी गैरमौजूदगी में टीम के अन्य बल्लेबाजों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ गई है। RCB इस समय लीग के अहम चरण में है, जहां हर मैच का परिणाम प्लेऑफ की दौड़ को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में फिल साल्ट की जल्द वापसी टीम के लिए बेहद जरूरी मानी जा रही है।अगर वह समय पर फिट होकर लौटते हैं, तो टीम को फिर से वही आक्रामक शुरुआत मिल सकती है, जो उसे प्लेऑफ की रेस में मजबूत बनाएगी। वहीं, अगर उनकी वापसी में देरी होती है, तो RCB को अपने बैटिंग कॉम्बिनेशन में और बदलाव करने पड़ सकते हैं।

फील्डिंग के दौरान उंगली पर चोट लगी थी।

बेथेल अब तक फ्लॉप रहे

कोहली के नए ओपनिंग पार्टनर बेथेल खराब फॉर्म जूझ रहे हैं। उन्होंने अब तक खेले 3 पारियों में सिर्फ 39 रन बनाए हैं। टीम के पास जॉर्डन कॉक्स के रुप में बैकअप बल्लेबाज है। अगर चोट गंभीर हुई तो बेंगलुरु आईपीएल नियमों के तहत साल्ट की जगह रिप्लेसमेंट खिलाड़ी ले सकती है। हालांकि टीम उन्हें रिकवर करने का पूरा मौका दे रही है। बेंगलुरु 7 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपना अगला मैच खेलेगी।

धोनी टीम के साथ दिल्ली नहीं गए

चेन्नई में ही चल रही उनकी रिहैब, एक साल पहले आखिरी मैच खेले

चेन्नई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में Chennai Super Kings (CSK) के लिए एक बड़ा अपडेट सामने आया है। टीम के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज MS Dhoni काफ इंजरी के चलते 6 मई को Delhi Capitals के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए टीम के साथ यात्रा पर नहीं गए हैं। धोनी फिलहाल चेन्नई में ही रहकर रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं।

फ्रेंचाइजी की ओर से अब तक उनकी वापसी को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, जिससे उनके खेलने को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने संकेत दिए हैं कि धोनी टूर्नामेंट के किसी चरण में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी वापसी कब तक संभव होगी। टीम मैनेजमेंट उनकी फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए है।

गौरतलब है कि एमएस धोनी इस

- चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस धोनी के खेलने का इंतजार कर रहे हैं।
- धोनी ने 2025 में खेले 14 मैचों में 135.17 की स्ट्राइक रेट से 196 रन बनाए थे।

सीजन अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने IPL में अपना आखिरी मुकाबला 25 मई 2025 को Gujarat Titans के खिलाफ खेला था। इसके बाद से वह चोट के चलते मैदान से दूर हैं। CSK फिलहाल पॉइंट्स टेबल में छठे स्थान पर है।

टीम ने 9 मैचों में से 4 में जीत दर्ज की है और उसके कुल 8 अंक हैं। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए टीम को अपने बचे हुए मुकाबलों में कम से कम 4 जीत हासिल करनी होंगी। धोनी की गैरमौजूदगी टीम के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। उनकी कप्तानी, अनुभव और फिनिशिंग क्षमता CSK की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है।

ऐसे में टीम को उनके बिना रणनीति बनानी पड़ रही है। अब सबकी नजरें धोनी की फिटनेस रिपोर्ट पर टिकी हैं। अगर वह जल्द टीम में वापसी करते हैं, तो CSK को प्लेऑफ की दौड़ में बड़ा फायदा मिल सकता है। वहीं, उनकी गैरमौजूदगी टीम की मुश्किलें और बढ़ा सकती है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या एमएस धोनी समय रहते फिट होकर टीम में वापसी कर पाएंगे? अगर वह अगले कुछ मैचों में लौटते हैं, तो CSK को बड़ा मनोवैज्ञानिक और रणनीतिक फायदा मिल सकता है।वहीं, अगर उनकी वापसी में देरी होती है, तो टीम के लिए प्लेऑफ की राह और कठिन हो सकती है।

फास्ट न्यूज

ममता बनर्जी की हार पर विवेक अग्निहोत्री हुए खुश

नई दिल्ली। 4 मई को पश्चिम बंगाल के चुनाव के नतीजे घोषित हुए, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भारी मतों से हार गईं। चुनाव का नतीजा आने के बाद अब द कश्मीर फाइल्स और द बंगाल फाइल्स बना चुके विवेक रंजन अग्निहोत्री ने ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए उनकी हार पर खुशी जाहिर की है। उनका दावा है कि ममता बनर्जी ने उन्हें बंगाल से बैन किया था, जिसके चलते उन्हें बंगाल जाने की अनुमति नहीं दी गई और वो अवॉर्ड लेने तक नहीं जा सके।

एसबीआई की 'हर घर लखपति' स्कीम में 7.05% तक ब्याज

नई दिल्ली। अमेरिकी-इजराइल और ईरान युद्ध के चलते इस समय शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में कई निवेशक म्यूचुअल फंड्स में इनवेस्ट करने से घबरा रहे हैं। अगर आप इन दिनों कोई ऐसा इनवेस्टमेंट प्लान देख रहे हैं जिसमें आपका पैसा भी सुरक्षित रहे और ठीक-ठाक रिटर्न भी मिलता रहे तो आपके लिए SBI की 'हर घर लखपति' स्कीम सही साबित हो सकती है। यह एक खास रिकरिंग डिपॉजिट (RD) स्कीम है। इस स्कीम के तहत आप हर महीने छोटी-छोटी रकम जमा करके एक लाख या इससे ज्यादा रुपए का इंतजाम कर सकते हैं। इसमें सामान्य नागरिकों को अधिकतम 6.55% और वरिष्ठ नागरिकों (सीनियर सिटीजन) को अधिकतम 7.05% सालाना ब्याज दिया जा रहा है। रिकरिंग डिपॉजिट या RD बड़ी बचत में आपकी मदद कर सकती है। आप इसका इस्तेमाल गुल्लक की तरह कर सकते हैं।

सेंसेक्स 150 अंक गिरकर 77,100 पर कारोबार कर रहा

मुंबई। सेंसेक्स आज यानी मंगलवार, 5 मई को सेंसेक्स 150 अंक (0.20%) की गिरावट के साथ 77,100 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 50 अंकों (0.20%) की गिरावट है, ये 24,050 के स्तर पर आ गया है। आज के कारोबार में मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी है, जबकि रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली है। इससे पहले सोमवार, 4 मई को शेयर बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स 355 अंक चढ़कर 77,269 के स्तर पर बंद हुआ।

जाह्नवी कपूर और शिखर की शादी की खबरें गलत

इस साल के अंत तक जामनगर में शादी को बताया फेक

मुबंई, एजेंसी

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया की शादी पर एक्ट्रेस के पिता और फिल्ममेकर बोनी कपूर ने सफाई दी है। बोनी ने उन तमाम दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि जाह्नवी और शिखर इस साल के आखिर में शादी करने वाले हैं। दरअसल पिछले कुछ दिनों से कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि यह कपल सितंबर या अक्टूबर के बीच गुजरात के जामनगर में एक पारंपरिक समारोह में शादी कर सकता है। जब इन अटकलों के बारे में बोनी कपूर से पूछा गया, तो उन्होंने ई-टाइम्स से बातचीत में सीधे तौर पर कहा, नहीं, यह सच नहीं है। शिखर को अक्सर कपूर परिवार के निजी कार्यक्रमों और छुट्टियों में देखा जाता है। वे न केवल जाह्नवी के साथ वेकेशन पर जाते हैं, बल्कि अक्सर मंदिरों के दर्शन के लिए भी परिवार के साथ नजर आते हैं। जाह्नवी ने भी अप्रैल 2024 में 'कॉफी विद करण' के एक एपिसोड में इशारों में बताया थी कि वह किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं।दोनों का नाम सबसे पहले तब जुड़ा था, जब जाह्नवी ने बॉलीवुड में डेब्यू भी नहीं किया था। हालांकि, पिछले कुछ सालों से वे अक्सर सार्वजनिक जगहों पर साथ नजर आते हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान जाह्नवी ने प्यार और अपने पार्टनर के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने शिखर का नाम लिए बिना कहा, प्यार सुरक्षित महसूस कराता है।

हमले के बाद एयरस्पेट बंद हुआ तो फ्लाइट मस्कट डायवर्ट हुई, एक्ट्रेस बोलीं- ये जंग कब खत्म होगी

मिसाइल अटैक से दुबई में फंसीं अमीषा पटेल

मुबंई, एजेंसी

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब आम यात्रियों के साथ-साथ फिल्मी हस्तियों पर भी साफ नजर आने लगा है। ताजा मामला बॉलीवुड एक्ट्रेस Ameesha Patel से जुड़ा है, जो दुबई में हुए मिसाइल हमलों के कारण अपनी यात्रा के दौरान फंस गई हैं। जानकारी के अनुसार, अमीषा पटेल New York से Mumbai लौट रही थीं। उनकी फ्लाइट Emirates की थी, जिसे Dubai में लैंड करना था। लेकिन इसी दौरान यूएई में हुए मिसाइल हमलों के चलते एयरस्पेस को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। एयरस्पेस बंद होने के कारण फ्लाइट को तुरंत डायवर्ट कर Muscat भेज दिया गया, जहां एक्ट्रेस फिलहाल रुकी हुई हैं।

सोशल मीडिया पर बयां किया हाल

अमीषा पटेल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर इस पूरी घटना की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, "मैं न्यूयॉर्क से मुंबई एमिरेट्स फ्लाइट से लौट रही थी। जैसे ही हम दुबई में उतरने वाले थे, यूएई में ताजा मिसाइल हमलों के कारण एयरस्पेस बंद कर दिया गया। अब हमें मस्कट डायवर्ट कर दिया गया है।

पहले भी फंस चुके हैं कई सितारे

यह पहली बार नहीं है जब मध्य-पूर्व के तनाव का असर बॉलीवुड हस्तियों पर पड़ा हो। इससे पहले Esha Gupta, Dia Mirza, Sonal Chauhan और Lara Dutta जैसे कई कलाकार भी इजरायल-ईरान तनाव के दौरान दुबई में फंस चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मिसाइल हमलों और क्षेत्रीय तनाव के कारण कई बार एयरस्पेस अस्थायी रूप से बंद करना पड़ता है।

2 युवतियों को लेकर झगड़ा, अश्वेत युवक ने बीच सड़क धक्का दिया, बुजुर्ग 15 फीट दूर जा गिरा

यॉर्क में सिख टैक्सी ड्राइवर से बदसलूकी का वीडियो

मानव, अमृतसर, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक सिख टैक्सी ड्राइवर की दो अश्वेत युवकों के साथ बहस और हाथापाई का वीडियो सामने आया है। इस दौरान अश्वेत युवक बुजुर्ग टैक्सी ड्राइवर को धक्का देकर सड़क पर गिरा देता है। बुजुर्ग धक्का लगने से करीब 15 फीट दूर सड़क पर गिरा। युवक बुजुर्ग टैक्सी ड्राइवर पर आरोप लगा रहा था कि उसने उसकी दो महिला दोस्तों को अपनी गाड़ी से टक्कर मारी है। जबकि, बुजुर्ग इन आरोपों से इनकार कर रहा था। उल्टा वह कह रहा था कि ये युवतियां खुद उसकी गाड़ी की ओर आईं। हाथापाई के बाद बुजुर्ग सिख ड्राइवर ने मौके पर पुलिस बुलाई। इसके बाद पुलिस दोनों पक्षों के बीच झगड़ा

सुलझाकर वहां से चली जाती है। हालांकि, यह मामला कब का है और इसमें दिख रहा सिख ड्राइवर कौन है, यह जानकारी सामने नहीं आई है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक अश्वेत युवक अचानक आक्रामक हो जाता है और बुजुर्ग ड्राइवर को जोर से धक्का दे देता है, जिससे बुजुर्ग सड़क पर गिर जाता है। इस दौरान वीडियो बनाने वाला युवक उसे लगातार अपराधी कहकर संबोधित करता है। एक बुजुर्ग सिख टैक्सी ड्राइवर (पगड़ी और चेक शर्ट पहने हुए) कुछ युवकों से बहस कर रहा है। वहां मौजूद युवक टैक्सी ड्राइवर पर चिल्ला रहे हैं कि उसने अपनी गाड़ी से लड़कियों को टक्कर मारी है। वे यह भी आरोप लगा रहे हैं कि ड्राइवर बिना रुके मौके से भागने की कोशिश कर रहा था। इसके जवाब में बुजुर्ग ड्राइवर कहता है कि उसने कोई टक्कर नहीं मारी, बल्कि लड़कियां खुद उसकी गाड़ी से टकराई हैं।

2 युवतियों की टक्कर के आरोप से विवाद हुआ

जानकारी के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब एक युवक ने यह आरोप लगाया कि बुजुर्ग सिख टैक्सी ड्राइवर ने सड़क पर 2 युवतियों को अपनी टैक्सी से टक्कर मार दी। इसके बाद वहां से भागने की कोशिश की। वहीं, सिख टैक्सी ड्राइवर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कोई दुर्घटना नहीं हुई। उल्टा युवतियां खुद उसकी गाड़ी के पास आई थीं, जिससे यह स्थिति बनी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है मौके पर मौजूद 2 युवक लगातार बुजुर्ग ड्राइवर को रोक रहे हैं और उसे अपनी गाड़ी तक जाने नहीं दे रहे। बहस इतनी बढ़ गई कि स्थिति हाथापाई तक पहुंच गई।

पुलिस के आने पर युवकों का व्यवहार बदला

कुछ समय बाद मौके पर न्यूयॉर्क पुलिस (NYPD स्कूल सेफ्टी ऑफिसर्स) पहुंचती है। पुलिस के सामने सिख ड्राइवर अपनी बात रखने की कोशिश करता है। जबकि, युवक दावा करता है कि उसके पास पूरी घटना का वीडियो सबूत मौजूद है। पुलिस के पहुंचने के बाद युवक का व्यवहार अचानक बदल जाता है और वह शांत होकर अधिकारियों से बातचीत करता दिखाई देता है। वह युवाओं

सोना ₹543 सस्ता, ₹1.47 लाख पर आया

चांदी ₹618 गिरकर ₹2.39 लाख पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 5 मई (मंगलवार) को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 543 रुपए गिरकर 1.47 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.48 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं एक किलो चांदी 618 रुपए गिरकर 2.39 लाख रुपए पर आ गई है। सोमवार को इसकी कीमत 2.40 लाख रुपए प्रति किलो थी। 2026 में सोना अब तक 14 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.47 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 9 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.39 लाख रुपए पर पहुंच गई है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

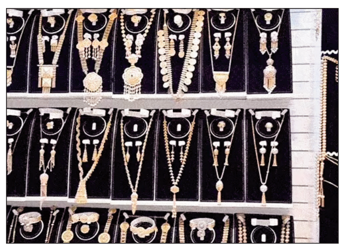

कार्यक्रम : सुनकर लोग हंसने लगे तो कहा- मैं मजाक नहीं कर रहा, अभी बहुत काम करना बाकी है

8-9 साल और राष्ट्रपति रहूंगा : ट्रम्प

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर से राष्ट्रपति बनने की इच्छा जताई है। व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रम्प ने कहा कि वे 8-9 साल बाद पद छोड़ेंगे। यह सुनकर वहां मौजूद लोग हंसने लगे तो ट्रम्प ने कहा कि वह मजाक नहीं कर रहे। उन्हें काम करना पसंद है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अभी उनके कार्यकाल की शुरुआत ही है और बहुत काम बाकी है। ट्रम्प अगले महीने 80 साल के हो जाएंगे। उन्होंने अपनी उम्र को लेकर भी मजाक किया। उन्होंने कहा, "मैं बुजुर्ग नहीं हूं; मैं बुजुर्ग से कहीं ज्यादा जवान हूं। मुझे आज भी वैसा ही महसूस होता है जैसा 50 साल पहले होता था।" इससे पहले एंडी ओगल्स ने 23 जनवरी 2025 को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में एक बिल पेश किया था। इस बिल का मकसद अमेरिकी संविधान में बदलाव करके डोनाल्ड ट्रम्प के लिए तीसरी बार राष्ट्रपति बनने का रास्ता खोलना था। इस प्रस्ताव में कहा गया था कि जो व्यक्ति लगातार दो बार राष्ट्रपति नहीं रहा है, वह तीसरी बार चुनाव लड़ सके। चूंकि ट्रम्प 2020 में चुनाव हार गए थे, इसलिए इस बदलाव के बाद वे फिर से राष्ट्रपति बनने के लिए योग्य हो सकते थे। हालांकि यह बिल आगे नहीं बढ़ पाया और हाउस में वोटिंग तक भी नहीं पहुंच सका। दरअसल, अमेरिका में संविधान बदलना बहुत मुश्किल होता है। इसके लिए हाउस और सीनेट दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होता है। मौजूदा हालात में रिपब्लिकन पार्टी के पास इतना बहुमत नहीं है।

> दरअसल, अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन ने दो टर्म के बाद रिटायरमेंट ले लिया था। उसके बाद से राष्ट्रपति के दो टर्म से ज्यादा सेवाएं न देने का अनौपचारिक नियम ही बन गया। इसके बाद अमेरिका में यह प्रथा बन गई। 31 अमेरिकी राष्ट्रपतियों में से किसी भी राष्ट्रपति ने इस प्रथा को नहीं तोड़ा, लेकिन फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट के दौर में यह नियम टूट गया। वे 1933 से 1945 चार बार राष्ट्रपति चुनकर आए।

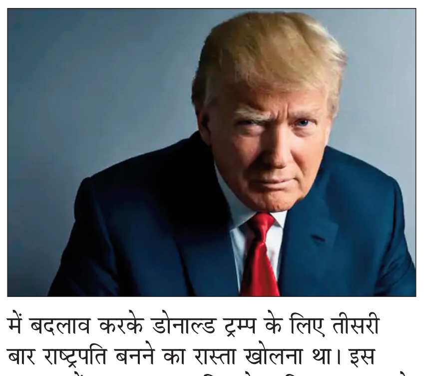

अगर ट्रम्प ये बहुमत हासिल कर लेते हैं तब भी उनके लिए संविधान में संशोधन करना इतना आसान नहीं होगा। बाद इस संशोधन के लिए राज्यों से मंजूरी लेनी होती है।

क्या ट्रम्प संविधान बदल सकते हैं?

ट्रम्प को तीसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव के लिए उतरना है तो उन्हें अमेरिकी संविधान में बदलाव करना होगा, जो इतना आसान नहीं है। ट्रम्प को इसके लिए अमेरिकी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव दोनों में दो-तिहाई बहुमत से एक बिल पास कराना होगा। ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के पास दोनों सदनों में इतने सदस्य नहीं हैं। सीनेट में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के पास 100 में से 52 सीनेटर है। वहीं, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में 435 में से 220 सदस्य हैं। ये संविधान संशोधन के लिए आवश्यक दो तिहाई यानी 67% बहुमत से काफी कम है।

बायोकॉन की कमान अब अगली पीढ़ी संभालेगी

मुंबई। बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोकॉन की फाउंडर और चेयरपर्सन किरण मजूमदार शॉ ने कंपनी के लिए उत्तराधिकार योजना यानी सक्सेशन प्लान का ऐलान कर दिया है। उन्होंने अपनी भांजी क्लेयर मजूमदार को उत्तराधिकारी चुना है। फॉर्च्यून इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 37 साल की क्लेयर कंपनी के विकास के अगले फेज का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं। किरण मजूमदार शॉ ने चार दशक पहले बायोकॉन की नींव रखी थी। उनकी अपनी कोई संतान नहीं है, इसलिए वे कंपनी को सुरक्षित हाथों में सौंपना चाहती थीं। उन्होंने बताया कि क्लेयर ने खुद को साबित किया है कि वे एक कंपनी चला सकती हैं। क्लेयर मजूमदार फिलहाल 'बिकारा थेरेप्यूटिक्स' की फाउंडर और CEO हैं। यह कंपनी बायोकॉन द्वारा ही इंक्यूबेट की गई थी और 2024 में नैस्डैक पर लिस्ट हुई है। बिकारा का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.6 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। क्लेयर के पास एमआईटी (MIT) और स्टैनफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटी की डिग्री है और उन्होंने कैंसर बायोलॉजी में पीएचडी की है।

अप्रैल में रसोई गैस की डिमांड 16% घटी

अप्रैल में रसोई गैस की डिमांड 16% घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में कुकिंग गैस (LPG) की मांग में अप्रैल में गिरावट आई है। अमेरिकी-इजराइल और ईरान में जारी संघर्ष और तनाव के कारण सप्लाई बाधित हुई है, जिसका सीधा असर भारतीय रसोई और कमर्शियल सेक्टर पर पड़ा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में LPG की खपत 16.16% कम होकर 2.2 मिलियन टन रह गई है, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 2.62 मिलियन टन थी। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (PPAC) के डेटा के अनुसार, मार्च महीने (2.379 मिलियन टन) के मुकाबले भी अप्रैल में गैस की बिक्री में कमी आई है। सप्लाई कम होने के चलते सरकार को होटलों और इंडस्ट्रीज के लिए दी जाने वाली कमर्शियल सप्लाई में कटौती करनी पड़ी है ताकि घरों में रसोई गैस की कमी न हो। भारत अपनी जरूरत का करीब 60% LPG आयात करता है। इसका बड़ा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते भारत आता है।

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिकी हमलों के बाद यह समुद्री रास्ता लगभग बंद हो गया है। इससे पहले सरकार ने घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के लिए 25 दिन का लॉक-इन पीरियड किया था (यानी एक सिलेंडर मिलने के 21 दिन बाद ही दूसरा बुक होगा)।

लूटपाट करने वाले किन्नर गिरोह का खुलासा

पुलिस ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी खंगाला, 2 किन्नर सहित 3 गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित बिजनौर थाना क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक से लौट रही एक महिला से लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने किन्नर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटा गया मंगलसूत्र, कान की बालियां और वारदात में इस्तेमाल की गई वैगनआर कार बरामद की है। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मंगलसूत्र, कान की बालियां और वारदात में इस्तेमाल की गई वैगनआर कार बरामद कर ली है। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह का एक अन्य सदस्य अभी फरार है, जिसकी तलाश के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में सक्रिय ऐसे गिरोहों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अपराधी नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में सतर्कता और जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। पुलिस ने भी लोगों से अपील की है कि संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

> पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह बेहद सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम देता था। आरोपी किन्नर वेश धारण कर लोगों का विश्वास जीतते थे। वे ओला कैब बुक कर अलग-अलग इलाकों में पहुंचते और खासतौर पर अकेली महिलाओं को निशाना बनाते थे।

मॉर्निंग वॉक के दौरान हुई वारदात

पुलिस के अनुसार, आनंद विहार कॉलोनी निवासी विभा यादव सोमवार सुबह करीब 6 बजे टहलकर घर लौट रही थीं। जैसे ही वह जायसवाल बर्तन भंडार के पास पहुंचीं, तभी एक वैगनआर कार उनके पास आकर रुकी। कार से किन्नर वेश में उतरी एक महिला ने उनसे बातचीत शुरू की और शादी को लेकर सवाल पूछते हुए 100 रुपये की मांग की। जब पीड़िता ने पैसे न होने की बात कही, तो आरोपी ने अचानक झपट्टा मारकर उनके गले से मंगलसूत्र और कान की बालियां लूट लीं और अपने साथियों के साथ कार में बैठकर फरार हो गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और जांच

घटना की जानकारी मिलते ही बिजनौर थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने इलाके के 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। इसके बाद मंगलवार को अलीनगर खुर्द अंडरपास के पास घेराबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपियों के पास से महिला से लूटे गए गहने बरामद हुए हैं।

एक आरोपी फरार है

पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के बरिगंवा, एलडीए कॉलोनी निवासी अजय रावत उर्फ रानी किन्नर, कानपुर नगर के चकेरी स्थित लाल बंगला निवासी आकाश गुप्ता उर्फ कमौलिका उर्फ कम्मो और लखनऊ के सहादतगंज थाना अंतर्गत रामनगर निवासी रफीक अहमद के रूप में बताई। इस मामले में उन्नाव निवासी अन्नू नामक एक अन्य आरोपी फरार है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे किन्नर होने का फायदा उठाकर ओला बुक करते थे। वे अलग-अलग बाजारों को निशाना बनाकर महिलाओं से पैसे मांगते थे।

पर्यटन विकास की 24 परियोजनाओं के लिए 3391 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत

सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहरों को नया स्वरूप देकर पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु हरसंभव प्रयास-जयवीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आगरा मण्डल के अधीन फिरोजाबाद जनपद के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में पर्यटन विभाग द्वारा फिरोजाबाद की विभिन्न विधानसभाओं में स्थित धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थलों के पर्यटन विकास हेतु 24 परियोजनाएं स्वीकृत की गयी है। इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए 3391 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। परियोजना संबंधी कार्यों को पूरा करने के लिए यूपीपीसीएल कार्यदायी संस्था को जिम्मेदारी सौंपी गयी है। कार्यदायी संस्था को निर्देश दिये गये हैं कि परियोजना के समस्त कार्यों को गुणवत्तापूर्वक निर्धारित समय में पूरा करें। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि टुण्डला में स्थित गोगा जी काली मंदिर पिपरौली के पर्यटन विकास के लिए 70 लाख रूपये, फिरोजाबाद पसीने वाले हनुमान जी मंदिर के लिए 65 लाख रूपये, शिकोहाबाद के नगला केवल स्थित श्री ब्रहमदेव शिव जी तथा बजरंगबली मंदिर के लिए 120 लाख रूपये, शिकोहाबाद के ही विधानसभा क्षेत्र में स्थित आबगंगा मंदिर के विकास के लिए 35 लाख रूपये, टुण्डला ग्रामगढ़ी हंसराम ब्लाक नारखी में स्थित शिवमंदिर के पर्यटन विकास के लिए 60 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि टुण्डला विधानसभा क्षेत्र में शिव मंदिर के पर्यटन विकास कार्य हेतु 80 लाख रूपये, टुण्डला में ही ग्राम बड़ागांव में स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर के लिए 01 करोड़ रूपये, टुण्डला ग्राम कनवार स्थित सिद्धकाली माता मंदिर के लिए 130 लाख रूपये, सिरसागंज स्थित प्राचीन पथवारी माता मंदिर के लिए 110 लाख रूपये, सिरसागंज के ही कुदरिया वाले महराज आश्रम के लिए 01 करोड़ रूपये, सिरसागंज में हनुमान मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 130 लाख रूपये, सिरसागंज में ग्राम जायनई माता मंदिर के लिए 130 लाख रूपये तथा सिरसागंज के ही रामकृष्ण धाम मंदिर (गंगा सागर गरियारी) के पर्यटन विकास के लिए 70 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। श्री जयवीर सिंह ने बताया कि सिरसागंज स्थित अम्बेडकर पार्क के पर्यटन विकास के लिए 70 लाख रूपये, सिरसागंज के ही रामकंठ आश्रम के पर्यटन विकास के लिए 01 करोड़ रूपये, सिरसागंज स्थित ऐतिहासिक श्री राधाकृष्ण मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 90 लाख रूपये, सिरसागंज के ही ग्राम मावली में वेद उपवन पार्क के लिए 75 लाख रूपये, सिरसागंज के ही अकबरपुर में स्थित नीमकरौरी बाबा की जन्मस्थली पर पर्यटन सुविधाओं के लिए 145 लाख रूपये, सिरसागंज के विकास खण्ड फिरोजाबाद के ग्राम करहरा में ग्रामीण पर्यटन विकास के लिए 20 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

फास्ट न्यूज

खाली प्लॉट में हिस्ट्रीशीटर का शव मिला

लखनऊ। लखनऊ में खाली प्लॉट में हिस्ट्रीशीटर का शव मिला है। पीजीआई कोतवाली में उसके खिलाफ 7 मुकदमे दर्ज हैं। 6 महीने पहले उसके भाई की हत्या कर दी गई थी। वह एक मामले में जेल गया था। कुछ दिन पहले ही जमानत पर छूटकर बाहर आया था। मंगलवार सुबह उसका शव मिला। घटना सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के नगराम रोड स्थित सेक्टर-8 अवध विहार योजना की है।

मालकिन के हत्यारे जर्मन शेफर्ड ने अब बहू को नोचा

कानपुर। पुलिस की जांच में सामने आया है कि उसने अस्पताल में भी अपनी मां को झूठ बोलकर एडमिट कराया है। उसने अस्पताल में बताया कि मां खाने घर के बाहर डालने गई थीं तो स्ट्रीट डॉग्स ने नोच लिया है। आज सुबह नगर निगम की टीम कुत्ते को पकड़ने पहुंची तो बेटे ने दरवाजा नहीं खोला। टीम वापस हो गई। विकास नगर के बीमा चौराहे के पास रहने वाले धीर प्रशांत त्रिवेदी बेंगलुरु में मैकेनिकल इंजीनियर हैं। पिता दिलीप त्रिवेदी का निधन हो चुका है। घर में सिर्फ धीर की 70 वर्षीय मां किरन त्रिवेदी रहती हैं। धीर ने घर में जर्मन शेफर्ड कुत्ता रॉबर्ट पला हुआ है। प्रशांत चार दिन पहले 1 मई को छुट्टी लेकर घर आए हैं। घर आने के अगले दिन 2 मई शनिवार की रात करीब साढ़े 10 बजे प्रशांत किसी काम से घर से बाहर गए थे। इसी दौरान उनके पालतू कुत्ते ने उनकी मां किरण त्रिवेदी पर हमला कर दिया।

आगरा में रावली पुल पर चलती कार में लगी आग

आगरा। आगरा के थाना रकाबगंज क्षेत्र में रावलीपुल पर मंगलवार दोपहर को अचानक एक चलती कार आग का गोला बन गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग दहशत में आ गए। कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार में अचानक आग लगते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली।

लखनऊ पहुंचे विराट कोहली, ब्लैक टी-शर्ट में बाहर निकले

इकाना में करेंगे प्रैक्टिस, 7 मई को एलएसजी का आरसीबी से मुकाबला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। IPL के मौजूदा सीजन में शानदार प्रदर्शन कर रही पिछले सीजन की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की टीम सोमवार देर शाम राजधानी लखनऊ पहुंच गई। टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल और कोच एंडी फ्लावर भी शहर में आ गए हैं। देर रात ब्लैक टी-शर्ट में कोहली एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए। पॉइंट टेबल में दूसरे स्थान पर काबिज बेंगलुरु की टीम आज (मंगलवार को) इकाना स्टेडियम में अभ्यास सत्र में अपनी तैयारियों को धार देने उतरेगी। 7 मई को इकाना स्टेडियम में होने वाले वाले महामुकाबले के लिए मेजबान लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) टीम के खिलाड़ी मंगलवार शाम तक यहां पहुंचेंगे। बुधवार से प्रैक्टिस शुरू करेंगे। हालांकि, 4 मई को मुंबई इंडियंस से मिली हार के बाद LSG प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं। रॉयल चैलेंजर्स के लिए अब तक का सफर बेहतरीन रहा है। टीम की बल्लेबाजी की कमान विराट कोहली (379 रन), देवदत्त पडिक्कल (282 रन) और कप्तान रजत पाटीदार (257 रन) ने संभाल रखी है। वहीं, गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार 17 विकेट लेकर शीर्ष पर हैं। पिछले मुकाबले में लखनऊ को हराने के बाद बेंगरलुरु की टीम इस बार भी जीत के इरादे से मैदान में उतरेगी। फिलहाल, इकाना में किंग कोहली के विराट शो को देखने के लिए दर्शक बेताब हैं। इस सीजन RCB का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा है। टीम फिलहाल पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। बल्लेबाजी में विराट कोहली 379 रन बनाकर टीम की अगुवाई कर रहे हैं, जबकि देवदत्त पडिक्कल (282 रन) और कप्तान Rajat Patidar (257 रन) भी शानदार फॉर्म में हैं।

विराट कोहली लखनऊ एयरपोर्ट से कड़ी सुरक्षा के बीच बाहर निकले।

जालौन के 4 पुलिसवालों समेत 5 की मौत

हरियाणा में एक्सप्रेस-वे पर स्कॉर्पियो टकराई, मरने वालों में 2 दरोगा और 2 सिपाही

- हादसे के बाद पांचों के शव गाड़ी में फंसे हुए थे। पुलिस ने किसी तरह से उन्हें बाहर निकाला।
- हादसे में स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

जालौन। यूपी के जालौन के 4 पुलिसकर्मियों समेत 5 की हरियाणा के नूंह में सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा मंगलवार सुबह साढ़े 10 बजे एक्सप्रेस-वे पर हुआ। मरने वालों में 2 दरोगा, 2 सिपाही और ड्राइवर शामिल हैं। पुलिसकर्मी अपहरण के मामले में स्कॉर्पियो से दबिश देने गए थे। लौटते वक्त ड्राइवर ने एक्सप्रेस-वे पर ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान स्कॉर्पियो बेकाबू हो गई और सामने चल रही दूसरी गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई। इसके बाद पांचों पुलिसकर्मियों के शव गाड़ी में बुरी तरह फंस गए। पुलिसकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला। चारों पुलिसकर्मी जालौन की उरई कोतवाली में तैनात थे। जिस काले रंग की स्कॉर्पियो से पुलिसवाले जा रहे थे, वह हरियाणा के जींद RTO में रजिस्टर्ड है। हादसे में स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके से पुलिस को एक आई-कार्ड मिला है, जो सब-इंस्पेक्टर मोहित यादव का है। एक पुलिस टीम स्कॉर्पियो से नूंह में दबिश देकर यूपी लौट रही थी। सुबह के करीब साढ़े 10 बजे थे। हरियाणा के कुंडली-मानेसर-पलवल (KMP) एक्सप्रेस-वे पर धुलावट टोल प्लाजा के पास स्कॉर्पियो एक गाड़ी को ओवरटेक करने लगी। इसी दौरान स्कॉर्पियो बेकाबू होकर सामने चल रही गाड़ी से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में दरोगा मोहित यादव, दरोगा सत्यभान, कॉन्स्टेबल अशोक कुमार, सर्विलांस टीम के सिपाही प्रदीप और स्कॉर्पियो के ड्राइवर शामिल हैं। अभी ड्राइवर की पहचान हो पाई है। सभी पुलिसकर्मी उरई कोतवाली क्षेत्र में तैनात थे।

हादसे में इन 5 की हुई मौत

दरोगा सत्यभान | दरोगा मोहित | सिपाही प्रदीप | सिपाही अशोक | स्कॉर्पियो ड्राइवर

> तावडू सदर थाना प्रभारी शीशराम ने बताया-पांचों शवों को बाहर निकालने के लिए पुलिस और बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर एंबुलेंस बुलाकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

अपहरण केस की जांच में गई थी टीम

यह पूरी कार्रवाई एक अपहरण केस से जुड़ी थी। पंजाब के संगरूर में रहने वाले अमरीक सिंह ने 4 मई को उरई कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके मौसेरे भाई बिजेंदर सिंह का अपहरण कर लिया गया। मामला 32 एकड़ जमीन से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार, 4 मई की सुबह ट्यूबवेल की कोठरी में सो रहे बिजेंदर सिंह को 4 बदमाशों ने अगवा कर लिया था। इस दौरान शिकायतकर्ता का मोबाइल भी छीन लिया गया था। सफलता नहीं मिलने पर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

दरोगा सत्यभान कासगंज जिले के गंजडुंडवारा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम अलीपुर दादर के रहने वाले थे। वह 5 भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके एक भाई सत्यवीर गांव में रहकर खेती करते हैं।

मजबूरी : गैस सिलेंडर की महंगाई से लखनऊ में नाराजगी, बोले- 60 साल में ऐसा नहीं हुआ

फूड बिजनेस से जुड़े व्यापारियों का प्रॉफिट 20% घटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने के बाद लखनऊ में फूड बिजनेस से जुड़े व्यापारियों का प्रॉफिट 20% घट गया है। व्यापारी कस्टमर घटने की आशंका से खाने-पीने के दाम नहीं बढ़ा रहे हैं, लेकिन क्वॉलिटी से कंप्रोमाइज करने को मजबूर हो गए हैं। उनमें नाराजगी भी है। उनका कहना है कि 60 साल में ऐसा कभी नहीं हुआ। अल-जाइका के संचालक मोहम्मद अनवर ने कहा- अचानक से खाने-पीने की चीजों के दाम नहीं बढ़ा सकते। ग्राहक कट जाएगा। हम लोगों का प्रॉफिट मार्जिन घट गया है। चारबाग में वेज भोजनालय चलाने वाले आकाश ने बताया- अगर अब दाम नहीं बढ़ाए तो घाटे को पूरा करने के लिए क्वालिटी से कंप्रोमाइज करना होगा। कई व्यापारियों ने बीच का रास्ता निकाला है ताकि प्रॉफिट मॉर्जिन बना रहे। खान-पान के दाम भी नहीं बढ़ाने पड़े।

- सिलेंडर की जगह अब कोयले की भट्टी पर कढ़ाई चढ़ाकर भटूरा तैयार किया जा रहा है।
- कबाब सेंकने के लिए भी लकड़ी और कोयले वाली भट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है।
- चाय की दुकानों पर सिलेंडर की जगह इंडेक्शन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

आकाश बोले-खाना महंगा किया तो कस्टमर कट जाएंगे

चारबाग में वेज भोजनालय चलाने वाले आकाश ने बताया- ये उनका पुश्तैनी कारोबार है। 35 सालों से बिजनेस सम्भाल रहे हैं। ऐसी दिक्कत कभी नहीं हुई।

पवनदीप बोले- 60 सालों में ऐसी दिक्कत नहीं हुई

कैसर बाग में सरदार जी छोला भटूरा के प्रोपराइटर पवनदीप सिंह ने बताया- हमने गैस सिलेंडर पर खाना बनाने की उम्मीद छोड़ दी है। 60 सालों से ये धंधा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति कभी नहीं आई कि गैस सिलेंडर की वजह से व्यापार प्रभावित हो। जब से गैस की किल्लत शुरू हुई है, हम लोग परेशान हो गए हैं। महीने भर में एक सिलेंडर मिलता है। गैस एजेंसी के चक्कर काटकर थक चुके हैं। इसलिए हम लोगों ने पूरा व्यापार कोयले पर शिफ्ट कर दिया है। कोयले की खपत हमारी तीन गुना बढ़ गई है।

> ग्राहक राजू पटेल ने कहा- अलग अलग दुकानों का जायका लेते हैं। भोजन करते हैं। पहले जो चिकन बिरयानी 160 की मिलती थी वो अब 200 रुपए की हो गई। सरकार सिलेंडर के दाम बढ़ा रही है। इस से सीधे तौर पर आम जनता परेशान हो रही है।

मंत्री राजभर का गनर रेप के आरोप में गिरफ्तार

लड़की बोली- 4 साल तक संबंध बनाए, गर्भपात कराया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के गनर प्रशांत राय (29) को सोमवार को वाराणसी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रशांत पर युवती से 4 साल तक दुष्कर्म और गर्भपात कराने का आरोप है। पीड़ित के मुताबिक, शादी का झांसा देकर आरोपी ने मुझे फंसाया। 4 साल तक संबंध बनाए। 2 बार गर्भवती हुई तो गर्भपात करा दिया। फिर गुपचुप तरीके से 25 अप्रैल को प्रयागराज में शादी रचा ली। सोशल मीडिया के दोस्त के जरिए मैंने उसकी शादी की तस्वीरें देखी। इस बारे में उससे पूछा तो आनकानी करने लगा। 4 मई को वह वाराणसी के सारनाथ थाने पहुंची और सिपाही के खिलाफ FIR कराई। पुलिस ने सिपाही को पूछताछ के लिए बुलाया और गिरफ्तार कर लिया। आज उसे कोर्ट में पेश करेगी। सिपाही प्रशांत राय 2 साल से मंत्री ओम प्रकाश राजभर के इस्कॉर्ट में तैनात था। उसके खिलाफ जांच की जा रही है। मिर्जापुर के ड्रमंडगंज चंद्रगढ़ के रहना वाले प्रशांत 8 साल पहले पुलिस में भर्ती हुआ था। वाराणसी के अजगरा थाना क्षेत्र की रहने वाला युवती के मुताबिक, सिपाही सारनाथ के बेनीपुर में कमरा किराए पर लेकर रहता था। इसी बीच, 4 साल पहले उनका अफेयर हो गया। शादी करने का वादा कर मेरे साथ संबंध बनाने लगा। मेरे घर आने-जाने लगा। फिर मैंने घरवालों से हमारे रिश्ते के बारे में बात की। युवती के मुताबिक, सिपाही मेरी जाति का नहीं था, इसलिए परिवार वालों ने इस पर आपत्ति जताई। 2 साल पहले मैं उसके साथ सारनाथ वाले कमरे में ही रहने लगी। 6 महीने पहले गर्भवती हुई तो उसने गर्भपात के दबाव बनाया। कहा- बिना शादी मां बनने पर बात बिगड़ जाएगी। मेरा गर्भपात करा दिया। दो महीने पहले फिर मैं गर्भवती हो गई। उसने फिर से गर्भपात कराया। इसी बीच, प्रशांत ने 25 अप्रैल को गुपचुप तरीके से उसने शादी कर ली।

प्रशांत राय, आरोपी गनर

लखनऊ मेदांता से अजय राय डिस्चार्ज

पत्नी-बेटी के साथ घर गए, डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को मंगलवार को मेदांता अस्पताल से छुट्टी दे दी। मंगलवार सुबह डॉक्टरों के राउंड के बाद उन्हें हॉस्पिटल से डिस्चार्ज करने की अनुमति दी गई थी। डॉक्टरों ने अगले कुछ दिनों के लिए उन्हें आराम करने की सलाह दी हैं। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इससे पहले 1 मई की शाम अचानक बेचैनी और घबराहट के बाद बेहोश होने पर उन्हें मेदांता में भर्ती कराया गया था। शुरुआती हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें इमरजेंसी में भर्ती कर ICU में निगरानी में रखा था। अजय राय की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद वाराणसी से लेकर दिल्ली तक इसकी चर्चा रही। मेदांता में भर्ती होने के अगले ही दिन पीएम मोदी और राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जल्द स्वास्थ्य सुधार की कामना की थी। डॉक्टरों की टीम ने लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखी और आवश्यक जांचें कराईं। उनकी कंडीशन को देखते हुए उन्हें ICU में रखा गया था। मेदांता के ICU इंचार्ज और सीनियर डॉक्टर डॉ.दिलीप दुबे की निगरानी में उनका इलाज शुरू किया गया।

5 मई को अजय राय को मेदांता अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, डॉक्टरों ने सावधानी और आराम की सलाह दी है।

पृष्ठ 01 का शेष...

इस्तीफा नहीं...

कहीं से भी चुनाव लड़ सकती हूं, सड़कों पर रहूंगी। ममता ने आरोप लगाया- भाजपा ने काउंटिंग सेंटरों पर कब्जा कर लिया था। मेरे साथ बदसलूकी की। उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं के साथ अत्याचार किया। पार्टी और इंडिया गठबंधन के नेता मेरे साथ हैं। हम फिर से उभरेंगे और शेर की तरह लड़ेंगे। पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीत ली हैं। पार्टी 9 मई को राज्य में पहली बार सरकार बनाने जा रही है। TMC सिर्फ 80 सीटें जीत सकी। 15 साल बाद ममता के हाथ से सत्ता चली गई है। पश्चिम बंगाल के अलावा तमिलनाडु, असम, केरलम और पुडुचेरी विधानसभा के रिजल्ट भी आ गए हैं। असम और पुडुचेरी में एनडीए ने वापसी की। बंगाल के अलावा तमिलनाडु और केरलम में सरकारें बदल गईं। तमिलनाडु में एक्टर थलपति विजय की 2 साल पुरानी पार्टी TVK ने सबसे ज्यादा सीटें लाकर चौंका दिया। 59 साल में पहली बार राज्य में ऐसी सरकार बनने जा रही है, जिसमें DMK या AIADMK नहीं होगी। दो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और एमके स्टालिन अपनी सीट से चुनाव हार गए।

अच्छी सरकार...

पश्चिम बंगाल की जनता ने करारा जवाब देते हुए टीएमसी का सूपड़ा साफ कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अब पश्चिम बंगाल 'सोनार बांग्ला' बनेगा। सीएम योगी मंगलवार दोपहर बाद जंगल बेनी माधव में पांच करोड़ रुपये की अधिक की लागत से नवनिर्मित कल्याण मंडपम (कन्वेंशन सेंटर) का उद्घाटन करने के साथ ही महानगर के विकास से जुड़ी 612.32 करोड़ रुपये की लागत वाली 71 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार ही अच्छा परिणाम लाती है। अच्छी सरकार न होने पर परिणाम पश्चिम बंगाल जैसा होता है। उत्तर प्रदेश और गोरखपुर में 2017 के बाद से हो रहे तीव्र विकास और जनकल्याण का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो वह अच्छा कार्य भी करती है। उन्होंने कहा कि जब नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और कुछ करने का दृढ़ संकल्प हो तो सार्थक परिणाम भी आते हैं। आज वही परिणाम गोरखपुर और समूचे उत्तर प्रदेश में दिख रहा है। इसका निर्माण जारी है और बन जाने पर महेसरा से राजघाट जाने में महज पांच मिनट लगेंगे। इस फोरलेन के बन जाने पर तटबंध भी सुदृढ़ होगा। गोरखपुर में मजबूत हुई रोड कनेक्टिविटी का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गोरखपुर से लखनऊ जाने के लिए आठ से नौ घंटे लगते थे जबकि आज यह अधूरी तीन से साढ़े घंटे में पूरी हो जाती है। इसी तरह वाराणसी जाने में लगने वाला समय भी घटकर ढाई घंटे हो गया है। सीएम योगी ने बताया कि जंगल कौड़िया से जगदीशपुर तक बन रहे फोरलेन बाईपास से महेसरा से होकर कुशीनगर जाने में सिर्फ आधे घंटे लगेंगे। सीएम योगी ने कहा कि गति जितनी तेज होगी, विकास भी उतना ही तेज होगा। विकास जितना तेज होगा, उतनी ही तेजी से व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की समृद्धि होगी। इसी समृद्धि के लिए गोरखपुर का विस्तार किया जा रहा है और जंगल कौड़िया, जगदीशपुर बाईपास रोड इस विस्तार का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि एम्स, बीआरडी की सुदृढ़ता, आयुष विश्वविद्यालय और अनेक नई सुविधाओं के विकास से लोगों को राहत मिली है। युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के स्वावलंबन, कारोबार में वृद्धि हो रही है। कहा कि जब नए निवेश आएंगे तो रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के बाद उनकी सरकार ने गोरखपुर की छवि को बदला है। पहले गोरखपुर की पहचान मच्छर और माफिया से होती थी। अब यहां माफिया भी गायब है और मच्छर भी गायब है। अब गोरखपुर की पहचान सुरक्षा, स्वच्छता, समृद्धि और मजबूत सड़कों से है। अब यहां का नौजवान पहचान का मोहताज नहीं है बल्कि वह सीना तानकर बताता है कि वह गोरखपुर का है। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनकी कार्यप्रणाली भ्रष्ट थी, जो माफिया पालते थे, अराजकता फैलाते थे, उन्होंने प्रदेश की पहचान को शक के दायरे में ला दिया था। अब प्रदेश को लेकर पूरे देश में कोई भी शक की निगाह से नहीं देखता। उनकी सरकार ने सुरक्षा का माहौल और समृद्धि देकर राज्य को मजबूत पहचान दिलाई है।

योगी सरकार ने...

समूह 'ग' और 'घ' के कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण की सीमा अधिकतम 10 प्रतिशत तय की गई है । विशेष परिस्थितियों में इसे 20 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है, जिसके लिए विभागीय मंत्री की मंजूरी आवश्यक होगी । शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि समूह 'ग' के कर्मचारियों का पटल (Seat) परिवर्तन भी कड़ाई से लागू किया जाएगा । सरकार ने बुंदेलखंड और 08 आकांक्षी जिलों (चित्रकूट, चंदौली, सोनभद्र, फतेहपुर, बलरामपुर, सिद्धार्थ नगर, श्रावस्ती और बहराइच) में शत-प्रतिशत तैनाती का लक्ष्य रखा है । इन क्षेत्रों में तैनात कर्मियों को तब तक कार्यमुक्त नहीं किया जाएगा, जब तक उनका विकल्प (रिलीफ) वहां कार्यभार ग्रहण न कर ले।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676